PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 175 ● भिलाई, शुक्रवार 16 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, पंजाब, हरियाणा से लेकर दिल्ली तक शीतलहर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में भीषण ठंड ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। घने कोहरे और शीतलहर की चपेट में पूरा उत्तर भारत आ गया है। बीती सुबह दिल्ली में पिछले तीन वर्षों की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई, जब न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। ठंडी हवाओं और कोहरे के चलते लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। हालात को देखते हुए मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली के अलावा नोएडा, गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों में भी तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है। नोएडा में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री और गाजियाबाद में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में धूप निकलने के बावजूद ठंड से कोई खास राहत नहीं मिली। राजधानी में लगातार तीसरे दिन शीतलहर का असर बना रहा और अधिकतम तापमान भी औसत से नीचे रहा।

शाहीन सईद सहित चार आरोपियों की हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए ब्लास्ट के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने डॉक्टर शाहीन, मुफ्ती इरफान अहमद, जासिर बिलाल वानी, डॉ. अदील अहमद और मुजम्मिल को भी 3 दिनों की राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने मंगलवार को ही कोर्ट से डॉ. शाहीन की पुलिस रिमांड मांगी थी। डॉ. शाहीन को पिछले महीने पटियाला हाउस कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा था। एनआईए का कहना है कि हिरासत बढ़ाने का उद्देश्य आरोपी से विस्तृत पूछताछ करना और विस्फोट के पीछे के नेटवर्क को उजागर करना है। एजेंसी जांच में यह पता लगा रही है कि किस तरह से विस्फोट की योजना बनाई गई, सहयोगी कौन थे और हथियार एवं विस्फोटक सामग्री कैसे जुटाई गई। एजेंसी का मानना है कि यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों से लिंक है। अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें डॉ. मुजम्मिल शकील गनी, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और अन्य शामिल हैं।

अब माइनस नंबर लाने वाले भी बनेंगे स्पेशलिस्ट डॉक्टर

नई दिल्ली। देश में मेडिकल पीजी की हजारों खाली सीटों को भरने के लिए केंद्र सरकार और नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडिकल साइंसेज ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिसने चिकित्सा जगत को हैरान कर दिया है। नीट पीजी 2025 के लिए क्वालिफाइंग कटऑफ में ऐतिहासिक गिरावट की गई है। आलम यह है कि रिजर्व कैटेगरी के लिए अब यह कटऑफ घटाकर 'जीरो' पर्सेंटाइल कर दी गई है। इसका सीधा मतलब है कि परीक्षा में माइनस नंबर (-40) लाने वाले उम्मीदवार भी अब एमडी और एमएस जैसी डिग्री हासिल करने के लिए योग्य माने जाएंगे।

सीएसपीओसी में बोले प्रधानमंत्री मोदी

ग्लोबल इकॉनमी की नई ताकत बना हिंदुस्तान-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में 28वीं कॉमनवेल्थ स्पीकर्स एंड प्रेसिडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस), 2026 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री का स्वागत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, और राज्यसभा के उपाध्यक्ष हरिवंश नारायण सिंह ने किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा की हमारे यहां पहली नागरिक महिला है और इसके अलावा दिल्ली की मुख्यमंत्री भी महिला है। भारत में नारी शक्ति हो नमन। जिस स्थान पर आप सभी बैठे हैं वो भारत की डेमोक्रेटिक जर्नी का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। गुलामी के आखिरी वर्षों में जब भारत की आजादी तय हो चुकी थी, उस समय इसी सेंट्रल हॉल में भारत की संविधान की रचना के लिए संविधान सभा की बैठकें हुई थी। भारत की आजादी के बाद 75 वर्षों तक यह इमारत भारत की संसद रही और इसी हॉल में भारत के भविष्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय और अनेक चर्चाएं हुई। अब लोकतंत्र को समर्पित इस स्थान को भारत ने संविधान सदन का नाम दिया है। संसदीय लोकतंत्र में स्पीकर की भूमिका बेहद खास होती है। दिलचस्प बात यह है कि स्पीकर खुद ज्यादा बोलते नहीं हैं। उनका मुख्य काम होता है सदस्यों की बातें सुनना और यह सुनिश्चित करना कि हर किसी को बोलने का मौका मिले। स्पीकरों की सबसे बड़ी खासियत धैर्य है। वे सबसे शोरगुल करने वाले या उत्साही सदस्यों को भी सहनशीलता और मुस्कान के साथ संभालते हैं। संसदीय व्यवस्था में स्पीकर का काम केवल

अध्यक्षता करना नहीं, बल्कि सभी सदस्यों के लिए निष्पक्ष और संतुलित माहौल बनाना भी है। पीएम मोदी ने कहा कि यह चौथा अवसर है, जब कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और प्रेसिडिंग ऑफिसर्स की कॉन्फ्रेंस भारत में हो रही है। इस बार इस कॉन्फ्रेंस का मुख्य विषय संसदीय लोकतंत्र की प्रभावी डिलीवरी है। पीएम ने कहा जब भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की, तो कई लोगों को शक था कि इतनी विशाल विविधता के बीच लोकतंत्र टिक पाएगा या नहीं। लेकिन यही विविधता भारतीय लोकतंत्र की ताकत बन गई। यह भी संदेह था कि अगर लोकतंत्र जड़ पकड़ भी ले, तो भारत को विकास में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इन सभी शंकाओं के विपरीत, भारत ने यह साबित किया कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं विकास में स्थिरता, पैमाना और गति प्रदान करती हैं। आज, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन चुका है। भारत में विकसित यूपीआई दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान प्रणाली है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन निर्माता भी है और वैश्विक स्तर पर इस्पात उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला करेंगे। इसमें 42 कॉमनवेल्थ देशों के 61 स्पीकर्स और प्रेसिडिंग ऑफिसर्स के साथ-साथ चार अर्ध-स्वायत्त संसदों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

भारतीय सेना के जवान निस्वार्थ सेवा-राष्ट्र रक्षा के प्रतीक, सैनिकों को नमन

नई दिल्ली: सेना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय सेना की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है और सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अटूट संकल्प के साथ देश की सुरक्षा करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र उनकी वीरता और दृढ़ प्रतिबद्धता को नमन करता है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे सैनिक निस्वार्थ सेवा के प्रतीक हैं, जो सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की रक्षा करते हैं। कर्तव्य के प्रति उनकी भावना पूरे देश में विश्वास और कृतज्ञता की भावना जगाती है। मोदी ने कहा कि देश उन लोगों को गहरे सम्मान के साथ याद करता है जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी शुभकामनाएं दी।

योगी के मंत्री के बिगड़े बोल

सलमान खान देशद्रोही फांसी हो-ठाकुर रघुराज

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार के दर्जा प्राप्त मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह ने फिल्म अभिनेता सलमान खान को लेकर एक बार फिर विवादित बयान दिया है। अलीगढ़ में दिए गए बयान में मंत्री ने सलमान खान को देशद्रोही बताते हुए कहा कि उन्हें भारत से ज्यादा पाकिस्तान से प्रेम है और अगर ऐसा है तो उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए। मंत्री रघुराज सिंह यहीं नहीं रुके, उन्होंने सलमान खान को फांसी की सजा देने तक की मांग कर दी। साथ ही लोगों से अपील की कि वे सलमान खान की फिल्में न देखें। रघुराज सिंह ने आरोप लगाया कि

सलमान खान हिंदुस्तान के हिंदुओं को आकर्षित कर यहां से पैसा कमाते हैं और पाकिस्तान व बांग्लादेश के साथ-साथ मुसलमानों का समर्थन करते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सलमान खान भारत का पैसा चुराकर पाकिस्तान भेजते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तरायण के मौके पर अहमदाबाद गुजरात में श्री जगन्नाथ मंदिर में गाय की पूजा (गौ पूजा) की।

बीएसएफ और आईटीबीपी को मिले नए मुखिया

प्रवीण कुमार संभालेंगे बीएसएफ की कमान

नई दिल्ली। भारतीय सीमाओं की सुरक्षा को और मजबूत करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने दो प्रमुख अर्धसैनिक बलों, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस के लिए नए महानिदेशकों की नियुक्ति की घोषणा की है। पश्चिम बंगाल कैडर के प्रवीण कुमार अब दुनिया की सबसे बड़ी बॉर्डर गार्डिंग फोर्स, बीएसएफ का नेतृत्व करेंगे, वहीं हरियाणा कैडर के शत्रुजीत कपूर चीन सीमा की निगरानी करने वालीआईटीबीपी की कमान संभालेंगे। पश्चिम बंगाल कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रवीण

कुमार को अब पूर्ण रूप से सीमा सुरक्षा बल का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से पहले वे आईटीबीपी के महानिदेशक के तौर पर कार्यरत थे और उनके पास बीएसएफ के डायरेक्टर जनरल का अतिरिक्त प्रभार भी था।

सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को नोटिस जारी

ईडी पर नहीं होगी एफआईआर अगली सुनवाई तीन फरवरी को

नई दिल्ली/ एजेंसी

कोलकाता में बीते आठ जनवरी को आई-पैक के कार्यालय और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर हुई प्रवर्तन निदेशालय की रेड को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस मामले में ईडी और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच तीखी बहस देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट में अब अगली सुनवाई 3 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य के डीजीपी को नोटिस जारी किया है। अदालत ने दोनों को दो हफ्ते में जवाब देने का आदेश दिया है।

अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर पर रोक रहेगी। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी के काम में दखल नहीं दे सकती। कोर्ट ने सीसीटीवी समेत सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रखने का आदेश भी दिया। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने कहा है कि वह इस मामले में नोटिस जारी कर तथ्यों की जांच करेगी। कोर्ट ने कोलकाता हाईकोर्ट में ईडी की याचिका की सुनवाई के दौरान हुई अव्यवस्था पर भी गंभीर चिंता जताई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि एजेंसी 14 जनवरी को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई से संतुष्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान ईडी को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा।

प्रदूषण भी घटाएगी और कमाई भी करेगी दिल्ली सरकार, कैबिनेट ने 'कार्बन क्रेडिट' नीति को दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण और दूरदर्शी फैसला लिया है। दिल्ली सचिवालय में मंगलवार को हुई दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठक में पर्यावरण विभाग की ओर से लाए गए 'कार्बन क्रेडिट मोनेटाइजेशन फ्रेमवर्क' लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत दिल्ली सरकार अब अपने विभिन्न ग्रीन प्रोजेक्ट्स से होने वाली उत्सर्जन कटौती को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचकर राजस्व जुटाएगी।

मार्कर पर मचा बवाल!

सीएम फडणवीस बोले-अपनी हार का बहाना ढूंढ रहा विपक्ष..

महाराष्ट्र/ एजेंसी

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फ्डणवीस गुरुवार को वोट डालने नागपुर के मतदान केंद्र पर पहुंचे। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फ्डणवीस, उनकी पत्नी अमृता फ्डणवीस और उनकी मां ने महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों के लिए वोट डालने के बाद अपनी उंगलियों पर लगी स्याही दिखाई। महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों पर सीएम देवेंद्र फ्डणवीस ने कहा, यह हमारे लोकतंत्र की एक इकाई है, जो इसकी नींव का पत्थर है और इसलिए वोट देना बहुत ज़रूरी है। मैं सभी से वोट डालने की अपील करता हूं, क्योंकि वोट देना सिर्फ़

आपका अधिकार नहीं, बल्कि आपका कर्तव्य भी है। अगर हम अच्छा प्रशासन चाहते हैं, तो हमें वोट देना चाहिए। मैंने भी अपना वोट डाल दिया है। राज ठाकरे के बयान पर, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फ्डणवीस ने कहा, मुझे भी मार्कर से निशान लगाया गया है, क्या यह मिट रहा है? चुनाव आयोग को इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए और कुछ और इस्तेमाल करना चाहिए, अगर वे चाहें तो ऑयल पेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं, चुनाव निष्पक्ष होने चाहिए। लेकिन हर बात पर हंगामा करना और सवाल उठाना बहुत गलत है। उन्होंने यह भी कहा, कांग्रेस ने नागपुर से हमारे पार्टी उम्मीदवार भूषण शिंगणे पर बेरहमी से हमला किया और उनका हाथ तोड़ दिया और उनके पैर और सिर में चोटें आईं। जब कोई चुनाव नहीं जीत पाता, तो ऐसे काम लोकतंत्र पर हमले जैसे होते हैं, लेकिन जनता उन्हें और मुझ पर टिप्पणी करने वालों को जवाब देगी।

उंगली से स्याही मिटाने का वीडियो वायरल

मुंबई बीएमसी चुनाव-एग्जिट पोल में भाजपा गठबंधन को बहुमत

मुंबई। एजेंसी

महाराष्ट्र में मुंबई समेत 29 नगर निगमों का चुनाव बीते कई महीनों की गहमागहमी के बाद गुरुवार को संपन्न हो गया। अब सभी की निगाहें शुक्रवार को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं, जब यह साफ होगा कि कौन सी पार्टी कितनी सीटें जीतती है। हालांकि अब बात अगर एग्जिट पोल की करें तो कई एजेंसी के द्वारा जारी एग्जिट पोल में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को भारी बहुमत मिलता दिख रहा है। जबकि शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस चुनावी रण में पिछड़ती नजर आ रही हैं। सबसे पहले एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल की बात करें तो भाजपा+ को 131 से 151 सीटें मिल सकती हैं। शिवसेना यूबीटी+ को 58-68 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस+ 12-16 मिल सकती हैं। इसके साथ ही अन्य के खाते में भी 6-12 सीटें जा सकती हैं। अब बात अगर डीवी रिसर्च के एग्जिट पोल की करें तो इसके मुताबिक, भाजपा की अगुआई वाली गठबंधन को 107 से 122 सीटें मिल सकती हैं। ठाकरे बंधुओं के गठबंधन को 68 से 83 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी को 18 से 25 सीटें मिल सकती है। एनसीपी अजित पवार को 2 से 4 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं अन्य के खाते में 8 से 15 सीटें मिलने की संभावना है।जेवीसी के एग्जिट पोल में भी कुछ ऐसी ही स्थिति दिखी। जहां भाजपा की अगुआई वाली भाजपा गठबंधन को 138, उद्धव ठाकरे के गठबंध को 59, कांग्रेस गठबंधन को 23 और अन्य को 7 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। अब

बात अगर लोकशाही/रुद्र के एग्जिट पोल की करें तो। इस एजेंसी के तहत बीएमसी के चुनाव में भाजपा गठबंधन को 115-130 सीटें, शिवसेना गठबंधन को 67-82 सीटें और कांग्रेस गठबंधन 22-27 सीटें मिलती हुई नजर आ रही हैं। जनमत एग्जिट पोल के अनुसार, महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव में महायुति गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने की संभावना है। एग्जिट पोल के मुताबिक, महायुति को 138 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, ठाकरे भाइयों (यूबीटी) को केवल 62 सीटें मिलती दिख रही हैं। कांग्रेस-वनचित गठबंधन को लगभग 20 सीटें, जबकि अन्य दलों को 7 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। मुंबई में बीएमसी चुनाव 2026 के लिए 3.30 बजे तक कुल 41.08 प्रतिशत मतदान हुआ। इसमें पुरुष मतदाता 23,27,033, महिला मतदाता 19,22,500 और अन्य 180 मतदाता शामिल हैं। कुल मिलाकर अब तक 42,49,713 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव के दौरान वोट डालने के बाद उंगली पर लगी स्याही के आसानी से मिट जाने के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि इन वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। चुनाव आयोग मामले की पूरी पड़ताल करेगा ।

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने पीएडीयू को लेकर ठाकरे बंधुओं के आरोपों को खारिज किया

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने गुरुवार को 'प्रिंटिंग ऑक्सिलरी डिस्प्ले यूनिट' (पीएडीयू) के उपयोग को लेकर ठाकरे बंधुओं की केआरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि यह उपकरण केवल तकनीकी कठिनाइयां आने पर ही इस्तेमाल किया जाएगा और वह भी सिर्फबृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों में। आयोग ने कहा कि मुम्बई के बाहर किसी भी नगर निगम में मतगणना के लिए पीएडीयू का उपयोग नहीं किया जाएगा। मुम्बई के भीतर भी इसका उपयोग केवल उन असाधारण स्थितियों तक सीमित रहेगा, जहाँ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर दर्ज वोटों की गिनती के दौरान तकनीकी समस्याएं आती हैं।

डिप्टी सीएम साव ने किया देवरानी जेठानी पुल का निरीक्षण स्तरहीन काम पर जताई नाराजगी, लगाई ठेकेदार को फटकार

एनएच-930 पर निर्माणाधीन पुल की गुणवत्ता पर सख्त रुख अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी

बालोद। जिले के दौरे पर पहुंचे छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने गुरुर ब्लॉक के पुरूर से झलमला-बालोद मार्ग पर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-930 के देवरानी-जेठानी नाले पर निर्माणाधीन 105 मीटर लंबे उच्च स्तरीय पुल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क एवं पुल निर्माण कार्य की गुणवत्ता की गहन समीक्षा की और मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि यदि कार्य में लापरवाही या मानकों की अनदेखी पाई गई, तो जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई तय है। निरीक्षण के दौरान पुल के ऊबड़-खाबड़ निर्माण पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उपमुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान पाया कि पुल का निर्माण अपेक्षित चिकनाई के साथ नहीं हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुल को पूरी तरह से चिकना और समतल बनाया जाए, ताकि यातायात सुगम हो सके। इसके अतिरिक्त, पुल की ऊंचाई को सड़क के स्तर तक जोड़ने के लिए उपयोग किए जा रहे पदार्थ की गुणवत्ता में सुधार लाने और कार्य को सही ढंग से संपन्न करने के लिए भी निर्देशित किया।

पहले भी उठ चुके हैं गुणवत्ता को लेकर सवाल

गौरतलब है कि जिस उच्च स्तरीय पुल का निरीक्षण मंगलवार को उपमुख्यमंत्री ने किया, उसके निर्माण को लेकर पूर्व में भी गुणवत्ता और लापरवाही के मामले सामने आ चुके हैं। इन्हीं खामियों को गंभीरता से लेते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने इस निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों को फटकार लगाई और स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी शिकायतें दोहराई नहीं जानी चाहिए।

ठेकेदार को फटकार, स्तरहीन काम पर जताई नाराजगी

इस निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी ग्राम पंचायत क्षेत्र के सरपंच राजेंद्र साहू से भी प्राप्त हुई। निरीक्षण के दौरान ठेकेदार के कर्मचारी, इंजीनियर और मुंशी भी मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री ने पुल के निर्माण में हो रहे जोड़ाई के काम की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए और उसे गुणवत्ता पूर्वक ढंग से करने के निर्देश दिए। स्तरहीन काम देखकर उन्होंने संबंधितों को फटकार भी लगाई। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुल का निर्माण राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समय-सीमा और सुरक्षा पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पुल एवं सड़क निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में हर हाल में पूर्ण किया जाए, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि यह मार्ग क्षेत्रीय आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, ऐसे में निर्माण कार्य टिकाऊ, सुरक्षित और मानक अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने निर्माण स्थलों पर संकेतक बोर्ड, चेतावनी चिन्ह और सुरक्षा उपायों को अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश भी दिए, जिससे निर्माण अवधि के दौरान राहगीरों और वाहन चालकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

सुशासन सरकार की प्राथमिकता

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सुशासन सरकार की यह स्पष्ट प्राथमिकता है कि नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं समय पर और पूरी गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराई जाएं। सड़क और पुल जैसे विकास कार्य सीधे जनता के जीवन से जुड़े होते हैं, इसलिए इनमें पारदर्शिता और गुणवत्ता सर्वोपरि है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं इंजीनियर उपस्थित रहे, जिन्हें निर्माण कार्य की नियमित निगरानी और गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

देश में नंबर-1 रिकवरी, जमीन पर जीरो भुगतान: पुरस्कारों से लदा सरदार पटेल शक्कर कारखाना किसानों के लिए बना आर्थिक कब्रगाह

कवर्धा-पंडरिया। कभी देशभर में बेहतर रिकवरी दर के लिए मिसाल बना छत्तीसगढ़ का चौथा शक्कर कारखाना सरदार वल्लभभाई पटेल आज अपने ही विरोधाभासों का शिकार नजर आ रहा है। जिस कारखाने को राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिले, जिसने एक समय देश में रिकवरी दर में प्रथम स्थान हासिल किया, वही कारखाना वित्तीय कुप्रबंधन की दलदल में इस कदर फंसा है कि किसानों को गन्ने का एक रुपया भी भुगतान नहीं कर पा रहा। 21 नवंबर 2025 से पेराई सत्र शुरू होने के बावजूद हालात सुधरने के बजाय और बिगड़े हैं। अब तक 6918 किसानों से मात्र 1,07,720 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई हो सकी है, जिससे 1,13,714 क्विंटल शक्कर का उत्पादन हुआ। मौजूदा सत्र में रिकवरी 10.94 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो औसत कही जा सकती है, लेकिन यह उस कारखाने के स्तर से काफी नीचे है जो कभी रिकवरी का राष्ट्रीय चैम्पियन रहा है। सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि तकनीकी दक्षता, पुरस्कार और उपलब्धियां होने के बावजूद कारखाने की आर्थिक सेहत पूरी तरह चरमरा चुकी है। किसानों को अब तक भुगतान नहीं होने से गन्ना आपूर्ति ठप होने की कगार पर है। किसान खुले तौर पर कह रहे हैं कि जब गुड़ उद्योग 455 रुपये प्रति क्विंटल नकद दे रहा है, तो वे 330 रुपये के आसपास बैठने वाली कारखाना दर पर बिना भुगतान भरोसे के गन्ना क्यों दें। कारखाने की स्थापित पेराई क्षमता कागजों में मजबूत दिखाई देती है, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा। विशेषज्ञ इसे कमजोर वित्तीय प्रबंधन, पूंजी की कमी और किसानों के प्रति भरोसे के अभाव का सीधा परिणाम मान रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि पुरस्कार, प्रशंसा और रिकॉर्ड आखिर किस काम के, जब वही कारखाना किसानों के हक का भुगतान तक नहीं कर पा रहा। क्या यह साबित नहीं करता कि तकनीकी सफलता और वित्तीय ईमानदारी के बीच की खाई ने इस सहकारी कारखाने को भीतर से खोखला कर दिया है। यदि शीघ्र ठोस वित्तीय सुधार और भुगतान की गारंटी नहीं दी गई, तो आशंका है कि कभी देश में नंबर-1 रहा यह शक्कर कारखाना इतिहास में पुरस्कारों से सजा, पर भरोसे से खाली संस्थान के रूप में दर्ज हो जाएगा।

मकर संक्रांति पर करें ये उपाय, घर में सुख-समृद्धि का होगा वास: पंडित श्रीनिवास द्विवेदी

बेमेतरा। हिंदू धर्म में मकर संक्रांति का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। यह पर्व तब मनाया जाता है जब सूर्य देव धनु राशि को छोड़कर अपने पुत्र शनि की राशि 'मकर' में प्रवेश करते हैं। साल 2026 की मकर संक्रांति न केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत है, बल्कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह सूर्य दोष और पितृ दोष को शांत करने का एक अत्यंत दुर्लभ और शुभ अवसर भी है। इस दिन किए गए स्नान, दान और तर्पण से जीवन की कई बाधाएं दूर होती हैं। शुभ मुहूर्त और समय ज्योतिषीय गणना पंडित श्रीनिवास द्विवेदी के अनुसार, साल 2026 में मकर संक्रांति का विवरण इस प्रकार है तारीखः 14 जनवरी 2026 सूर्य का प्रवेशः दोपहर 03:13 बजे (धनु से मकर राशि में) स्नान-दान का शुभ समयः दोपहर 03:13 बजे से शाम 05:45 बजे तक। जिन लोगों की कुंडली में सूर्य कमजोर है या मान-सम्मान में कमी महसूस होती है, उन्हें निम्न उपाय करने चाहिए तांबे के लोटे से अर्घ्यः सुबह स्नान के बाद तांबे के पात्र से सूर्य को जल दें। विशेष मिश्रणः जल में गुड़ और लाल चंदन मिलाना अनिवार्य है, क्योंकि यह सूर्य देव को प्रिय है। मंत्र शक्तिः जल देते समय ओम ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः का जाप करें। इससे आत्मविश्वास और सेहत में सुधार होता है। पितृ दोष से मुक्ति के उपाय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पितरों की नाराजगी घर में कलह और आर्थिक तंगी लाती है। इसे शांत करने के लिए संक्रांति पर ये कार्य करें। सूर्य को जल देते समय उसमें काले तिल और लाल फूल डालें। यह सीधे पितरों को तृप्त करता है।तर्पण और मंत्रः ओम पितृदेवाय नमः मंत्र का जाप करते हुए पितरों का ध्यान करें। परोपकारः इस दिन गाय, कुत्ते और कौवों को भोजन खिलाना चाहिए। माना जाता है कि पितर इन रूपों में आकर अपना भाग ग्रहण करते हैं। शाम को घर के दक्षिण कोने में एक दीपक पितरों के नाम से जरूर जलाएं। दान और परंपरा मकर संक्रांति पर 'खिचड़ी' के दान और सेवन का विशेष महत्व है। इस दिन तिल, गुड़, चावल और गर्म कपड़ों का दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। साथ ही, उत्तर भारत में पतंग उड़ाने की परंपरा मनोरंजन के साथ-साथ सूर्य की किरणों के संपर्क में आकर, स्वास्थ्य लाभ लेने का भी एक तरीका है।

किसानों के घर जाकर किया जा रहा सत्यापन, फिर काटा जा रहा टोकन, ये किसानों का अपमान

किसानों को रही समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने सौपा कलेक्टर को ज्ञापन, दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

बालोद। जिले में धान बेचने में हो रही किसानों को परेशानी, ऑनलाइन टोकन जारी नही करने, और किसानो के घर में जाकर धान का सत्यापन कर फिर टोकन जारी करने सहित खरीदी केन्द्रों की लिमिट बढ़ाकर किसानो को सुविधा प्रदान करने की मांग को लेकर जिले के तीनों विधानसभा के विधायक अनिला भेड़ियाँ, संगीता सिन्हा और कुंवर सिंह निषाद ने कलेक्टर से मुलाक़ात कर किसानों को हो रही समस्या को दुर करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस विधायको ने कलेक्टर से इसे तुरंत संज्ञान लेते हुए ऑनलाइन टोकन व्यवस्था तुरंत चालू करने, सत्यापन के नाम पर किसानो को परेशान नही करने और कोई भी किसान धान बेचने से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करने की मांग की है। वही व्यवस्था को नही सुधारने की स्तिथि में आंदोलन की चेतावनी दी है। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी, पूर्व विधायक भैयाराम सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य मिथलेश नुरेटी, गुलशन चंद्राकर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कृष्णा दुबे, पीयूष सोनी, बालोद कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नरेंद्र सिन्हा, बालोद शहर अध्यक्ष अंचल साहू, गुरुर ब्लॉक अध्यक्ष किशोर साहू, दल्लीराजहरा नगर अध्यक्ष रत्तीराम कोसमा, वैभव साहू, दाऊद खान, सागर साहू, भोज साहू, सादिक अली, तोषण साहू, संदीप साहू सहित कांग्रेस के जिला व ब्लॉक के तमाम पदाधिकारी और जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

विधायको के रकबे की हो रही कटौती : अनिला

पूर्व मंत्री एवं डौंडीलोहारा विधायक अनिला भेड़ियाँ ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि साय सरकार किसानों को चोर चंडाल बना ली है, जैसे अन्य जिलों के सोसायटी में चूहे पाल कर रखे है, जहां चूहे धान खा रहे है, वहां उनके चोर लोग है। यहां हम लोगों को चोर बना रहे है। किसानों के रकबे को जबरदस्ती काटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके डौंडीलोहारा का एक भी खेत नही जोड़ा गया है। राणाखुज्जी सोसायटी में 3 एकड़ 40 डिसमिल जोड़ा गया है। जब विधायकों के रकबे में कटौती हो रही है, तो सामान्य जनता का कौन सुनेगा..? सरकार की नीयत किसानों से धान खरीदने की है ही नही। सरकार स्पष्ट बोल दे की हमारी औकात नही है, किसानो को बोली गई हर बात जुमला थी, जैसी मोदी की हर बात जुमला होती हैं, वैसे साय सरकार की बात जुमला साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों का रकबा कटा है, उसे जोड़ा जाए, नही तो हम किसानों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करेंगे।

बड़ा आंदोलन किया जाएगा: हिरवानी

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने कहा बालोद जिले में एक नया नियम लागू किया गया है कि किसानों को घर में भौतिक सत्यापन करने में बाद उनको टोकन जारी किया जा रहा है, ऑनलाइन टोकन बंद कर दिया गया है, और इससे पहले भी दूसरे व तीसरे टोकन को घर में सत्यापन किया जा रहा था, जिसका हमने फिर से विरोध किया गया था। कलेक्टर से मिलकर इसका विरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द इसपर कोई कार्यवाही नही की जाती है तो बहुत जल्द तीनो विधायक के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सृजन पब्लिक इंग्लिश मिडिल हाई स्कूल में वार्षिक उत्सव 'आनंद मेला' का भव्य आयोजन

बेमेतरा। सृजन पब्लिक इंग्लिश मिडिल हाई स्कूल (आईटीआई परिसर) में वार्षिक उत्सव 'आनंद मेला' का भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा रहे। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, खेल गतिविधियाँ एवं विभिन्न रचनात्मक स्टॉलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने अपने उदबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच का विकास होता है। शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। सृजन पब्लिक स्कूल द्वारा बच्चों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं अभिभावकों की सहभागिता की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आनंद मेले में शिक्षा के साथ मनोरंजन का सुंदर समन्वय देखने को मिला। बच्चों के उत्साह और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को यादगार बना दिया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले ने विद्यार्थियों में टीम भावना और सृजनात्मकता को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में चेयरमैन नसरीन खान, वाशिम खान, पीताम्बर झा, अवधेश पटेल, विकाश तम्बोली, नीतू कोठारी, आकिब मालकानी, बिरेन्द्र जायसवाल, रेवाराम निषाद, संदीप यादव, जगजीत सिंह, राकेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

आवासीय एवं व्यवसायिक कर समय पर जमा करें, बिना अनुमति निर्माण पर होगी सख्त कार्रवाई: पालिका अध्यक्ष

बेमेतरा। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने नगर के समस्त नागरिकों, व्यापारियों एवं भवन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने आवासीय एवं व्यवसायिक कर (टैक्स) समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से जमा करें, ताकि नगर विकास के कार्यों को गति दी जा सके और नागरिक सुविधाओं का विस्तार सुचारू रूप से हो सके। नगर पालिका अध्यक्ष सिन्हा ने कहा कि नगर में सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु कर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समय पर कर जमा करने से नगर को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग मिलता है और विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आती। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिन लोगों द्वारा बिना नगर पालिका की अनुमति के मकान, दुकान अथवा अन्य किसी प्रकार का निर्माण किया गया है, उनके विरुद्ध नियमों के तहत उचित एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका क्षेत्र में अवैध निर्माण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नोटिस जारी कर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पूर्व नगर पालिका से अनिवार्य अनुमति प्राप्त करें तथा नगर के नियमों का पालन करें। इससे न केवल कानूनी परेशानियों से बचा जा सकता है, बल्कि नगर की सुव्यवस्थित एवं सुनियोजित विकास प्रक्रिया भी सुनिश्चित होगी। सिन्हा ने कहा कि नगर पालिका प्रशासन पारदर्शिता के साथ कार्य कर रहा है और आम जनता के सहयोग से ही नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित बनाया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे कर भुगतान एवं नियमों के पालन में प्रशासन का सहयोग करें, ताकि बेमेतरा नगर निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो। अंत में नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर का विकास हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है, और इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। समय पर कर जमा करना और नियमों का पालन करना ही सशक्त और समृद्ध नगर की पहचान।

जुआ खेलते 17 जुआडियों से 1,26,000 रूपये एवं विभिन्न कंपनी के 16 नग स्मार्ट मोबाईल, 08 नग मोटर साइकिल जप्त

बेमेतरा। जुआ खेलते 17 जुआडियों से 1,26,000 रूपये एवं विभिन्न कंपनी के 16 नग स्मार्ट मोबाईल, 08 नग मोटर साइकिल पुलिस ने जप्त किया पुलिस ने बताया कि थाना परपोडी पुलिस टीम द्वारा जरिए मुखबिर सुचना पर नहर नाली खार धरसा रोड ग्राम बेंदरचुआ में रेड कार्यवाही कर 17 जुआड़ी से नगदी रकम 1,26,000/- रूपये एवं 52 पत्ती तास व विभिन्न कंपनी के 16 नग स्मार्ट मोबाईल कीमती करीबन 64,000/- रूपये, 08 नग मोटर साइकिल कीमती करीबन 4,00,000/- रूपये, कुल जुमला कीमती करीबन 5,90,900/- रूपये को जप्त किया गया। साइबर सेल एवं थाना परपोडी पुलिस टीम को सूचना मिली कि नहर नाली खार धरसा रोड ग्राम बेंदरचुआ में कुछ लोग बैठ कर रूपये पैसे का दांव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे है कि सुचना पर साइबर सेल एवं थाना परपोडी पुलिस टीम के द्वारा नहर नाली खार धरसा रोड ग्राम बेंदरचुआ पहुच कर सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर 17 जुआड़ी पकड़े गए। जिसमें थाना परपोडी में 01 प्रकरण दर्ज कर 17 जुआडियानो मन्नु वर्मा उम्र 34 वर्ष निवासी अछोली थाना धमधा जिला दुर्ग, देवराम वर्मा उम्र 31 वर्ष निवासी अछोली थाना धमधा जिला दुर्ग, रामरतन वर्मा उम्र 35 वर्ष साकिन डुण्डा थाना खैरागढ़ जिला केसीजी, रोमकृष्ण तिवारी उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 06 कैलाश नगर गण्डई जिला केसीजी, रोहित वर्मा उम्र 28 वर्ष निवासी अछोली थाना धमधा जिला दुर्ग, चन्द्रेश वर्मा उम्र 35 वर्ष निवासी अछोली थाना धमधा जिला दुर्ग, जितेन्द्र वर्मा उम्र 33 वर्ष निवासी अतरिया थाना खैरागढ़ जिला केसीजी, रूपेन्द्र साहू उम्र 35 वर्ष निवासी चिल्फी थाना साजा जिला बेमेतरा, कौशल वर्मा उम्र 33 वर्ष निवासी अछोली थाना धमधा जिला दुर्ग, लच्छू वर्मा उम्र 33 वर्ष निवासी अछोली थाना धमधा जिला दुर्ग, जितेन्द्र वर्मा उम्र 40 वर्ष निवासी अछोली थाना धमधा जिला दुर्ग, देवेन्द्र निर्मलकर उम्र 25 वर्ष निवासी गोरपा थाना धमधा जिला दुर्ग, कलाराम साहू उम्र 50 वर्ष निवासी कुकुरमुड़ा थाना छुईखदान जिला केसीजी, हेमकुमार सतनामी उम्र 30 वर्ष निवासी अगार थाना धमधा जिला दुर्ग तीरथ लोधी उम्र 35 वर्ष साकिन ढंडार थाना गण्डई जिला केसीजी, रंजीत साहू उम्र 50 वर्ष निवासी कुकुरमुड़ा थाना छुईखदान जिला केसीजी,17. तेजराम जंघेल उम्र 40 वर्ष निवासी चोरभट्ठी थाना साजा जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 3(2),छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 एवं धारा 112 (2) बीएनएस के तहत कार्यावाही की गई हैं। जुआडियों के पास एवं फ्ड से कुल जुमला नगदी रकम 1,26,000/- रूपये एवं 52 पत्ती तास व विभिन्न कंपनी के 16 नग स्मार्ट मोबाईल कीमती करीबन 64,000/- रूपये, 08 नग मोटर साइकिल कीमती करीबन 4,00,000/- रूपये, कुल जुमला कीमती करीबन 5,90,900/- रूपये को जप्त किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन पर साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी परपोडी उप निरीक्षक अलील चंद, साइबर सेल प्रधान आरक्षक योगेश यादव, आरक्षक संजय पाटिल, नुरेश वर्मा, रेखन साहू, संतोष धीवर, मुकेश माहिरे, थाना परपोडी से प्रधान आरक्षक येमन बघेल, भागवत सिंह, आरक्षक पीयुष सिंह, शिव कुमार यादव, प्रमोद पांडेय, रमेश चंद्रवंशी सहित अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शराब पीने के लिए छोटे भाई से पैसे मांगे, नहीं दिया तो बड़े भाई ने की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। शराब पीने के लिए छोटे भाई से पैसे मांगे नहीं दिया तो बड़े भाई ने की हत्या कर दिया बाद में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रार्थी बुधराम देशलहरे उम्र 61 साल निवासी देवरबीजा पुलिस चौकी देवरबीजा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि भतीजा जगमोहन देशलहरे एवं जगन्नाथ उर्फ जग्नू देशलहरे दोनो इंदिरा आवास देवरबीजा के मकान में रह रहे थे, कि रात्रि करीबन 02 बजे पड़ोस के रहने वाले ने फोन कर बताया कि तुम्हारा भतीजा जगमोहन देशलहरे ने अपने छोटे भाई जगन्नाथ उर्फ जग्नू देशलहरे उम्र 26 साल का लोहे के सब्बल से सिर को मारकर हत्या कर दिया है, करीबन 01 बजे जगमोहन देशलहरे के द्वारा अपने छोटे भाई जगन्नाथ उर्फ जग्नू देशलहरे से शराब पीने के लिये पैसा मागने पर पैसा नही देने से आक्रोश में आकर घर में रखे लोहे के सब्बल से जगन्नाथ उर्फ जग्नू देशलहरे के सिर को मारकर हत्या कर दिया है, भतीजा जगन्नाथ उर्फ जग्नू देशलहरे का शव घर के परछी में है, भतीजा जगमोहन देशलहरे के द्वारा अपने छोटे भाई जगन्नाथ उर्फ जग्नू देशलहरे के सिर को लोहे के सब्बल से मारकर हत्या किया है की रिपोर्ट पर मर्ग सदर धारा 194 बी.एन.एस.एस कायम कर मृतक जगन्नाथ उर्फ जग्नू देशलहरे का हत्या करना पाया जाने से प्रार्थी कि रिपोर्ट पर अपराध सदर धारा 103(1) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सड़क सुरक्षा, ध्वनि प्रदूषण नवीन कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर बैठक सम्पन्न

बेमेतरा। कलेक्टोरेट स्थित दिशा सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति, नारको-ऑर्डिनेशन सेंटर, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण तथा नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने की। बैठक में पूर्व बैठकों में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि सड़क सुरक्षा, नशा उन्मूलन और ध्वनि प्रदूषण जैसे विषय सीधे आम नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़े हैं, इसलिए इन पर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

नशा उन्मूलन को लेकर प्रशासन और पुलिस का संयुक्त अभियान

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने बैठक में नशे के बढ़ते खतरे पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशीले पदार्थ युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में नशे के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है तथा मादक पदार्थों की जब्ती भी की गई है।उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ नशा उन्मूलन अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का आग्रह किया। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने स्कूलों एवं महाविद्यालयों में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता अभियान चलाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने समाज कल्याण विभाग को विभिन्न प्रचार माध्यमों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों के लिए चलाए जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों की जानकारी भी बैठक में साझा की गई।

सड़क सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा, दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के निर्देश

बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विशेष रूप से विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हेलमेट, सीट बेल्ट और ट्रैफिक नियमों का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों एवं ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, साथ ही जनजागरूकता अभियान के माध्यम से नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रवर्तन के साथ-साथ जागरूकता भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिले में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं बेरला क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अधिक है। इन क्षेत्रों में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर स्पीड ब्रेकर, साइन बोर्ड, संकेतक एवं अन्य सुरक्षा उपाय लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि खराब संकेतकों और लाइटों की मरम्मत के निर्देश दिए गए हैं, ताकि रात्रि के समय दुर्घटनाओं की संभावना कम की जा सके। कलेक्टर ने बताया कि कलेक्ट्रेट के सामने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्पीड लिमिट बोर्ड, डिवाइडर एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के लिए एनएच विभाग से पत्राचार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

निगम प्रशासन ने अवैध दुकानों और बिना अनुमति किये गए निर्माण को हटाया

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और जोन 7 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा के निर्देशानुसार कार्यपालन अभियंता श्री ईश्वर लाल टावरे के नेतृत्व सहायक अभियंता श्री अरविन्द राहुल, उप अभियंता श्री राहुल थरानी की उपस्थिति में नगर निगम जोन 7 नगर निवेश विभाग द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 22 में लगभग 4 अवैध दुकानों को स्थल पर अभियान चलाकर तोड़ने की कार्यवाही की है. नगर निगम जोन 7 द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्रमांक 24 के क्षेत्र के अंतर्गत रामनगर गुलमोहर पार्क क्षेत्र के भीतर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही की गयी है और वार्ड क्रमांक 22 के क्षेत्र के अंतर्गत आजाद नगर मार्ग सरोना क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग पर अभियान चलाकर कार्यवाही करते हुए स्थल पर तत्काल कारगर रोक लगायी गयी है. वहीं जोन 7 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र में वार्ड 22 क्षेत्र अंतर्गत सरोना मार्ग पर इंडियन पेट्रोल पम्प के सामने बिना अनुमति किये गए निर्माण को स्थल पर हटाने की कार्यवाही की गयी है।

गोबरा नवापारा में बड़ी चोरी से हड़कंप, ज्वेलरी दुकान से 50 लाख से ज्यादा की चांदी और नकदी पार

रायपुर। गोबरा नवापारा में बीती रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देकर इलाके में सनसनी फैला दी। गिट्टीपारा स्थित कमलेश ज्वेलर्स के बेसमेंट को निशाना बनाते हुए चोर लगभग 25 किलो चांदी और करीब ढाई लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। चोरी की कुल कीमत 50 लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है। यह घटना इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि ज्वेलरी दुकान के साथ ही संचालक का निवास भी स्थित है। चोरी की भनक किसी को नहीं लगी और दुकान संचालक को इसकी जानकारी आज सुबह मिली, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। संदिग्धों का सुराग लगाने के लिए डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया है। इतनी बड़ी चोरी की घटना से गोबरा नवापारा के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही गोबरा नवापारा के चांदी चौक क्षेत्र में देर रात 8 से 10 नकाबपोश संदिग्धों को हथियारों के साथ घूमते हुए सीसीटीवी कैमरों में देखा गया था। यह फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद व्यापारियों ने किसी बड़ी वारदात की आशंका जताई थी और इसकी जानकारी पुलिस को भी दी गई थी।

रायपुर में छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स भर्ती वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स की भर्ती प्रक्रिया में शामिल वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थी एक बार फिर सड़कों पर अपनी नियुक्ति की मांग लेकर उतर आए हैं। इन अभ्यर्थियों का आरोप है कि वर्ष 2018 में भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी उनकी वेटिंग लिस्ट अब तक पूरी तरह से क्लियर नहीं की गई है, जिससे उनका भविष्य अनिश्चितता के घेरे में फंसा हुआ है। अभ्यर्थियों ने बताया कि वे बीते कई महीनों से लगातार प्रशासन का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। 22 दिसंबर से वे धरने पर बैठे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस कारण नाराज अभ्यर्थी गृहमंत्री विजय शर्मा के बंगले के बाहर प्रदर्शन करने को मजबूर हुए हैं। धरना दे रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने कई बार ज्ञापन सौंपे, अधिकारियों से मुलाकात की और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी, लेकिन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया गया। उनका कहना है कि नियम के अनुसार अब तक वेटिंग लिस्ट क्लियर हो जानी चाहिए थी और उन्हें नियुक्ति मिल जानी चाहिए थी। धरने में अभ्यर्थियों के साथ उनके परिवारजन भी शामिल हैं। परिवारजनों का कहना है कि लंबे समय से इंतजार और अनिश्चितता के कारण मानसिक और आर्थिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि सरकार जल्द से जल्द वेटिंग लिस्ट क्लियर करे और योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान करे, ताकि वर्षों से चला आ रहा इंतजार खत्म हो सके।

सौम्या चौरसिया की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सौम्या चौरसिया की ओर से अग्रिम जमानत के लिए लगाई गई याचिका को हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने खारिज कर दी। बता दें कि शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार सौम्या चौरसिया ने बिलासपुर हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी जिसका एसीबी तथा ईओडब्ल्यू ने विरोध किया था। मंगलवार को हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनी और सौम्या चौरसिया की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह भी बता दें कि 16 दिसंबर को ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने तातापानी महोत्सव का किया भव्य शुभारंभ

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति,एकजुटता और समृद्धि का प्रतीक-मुख्यमंत्री साय.....

- तातापानी महोत्सव के लिए हर साल ?25 लाख : आस्था, पर्यटन और स्थानीय संस्कृति को मिला स्थायी संबल
- 667 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण-भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बलरामपुर जिले में आयोजित तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित इस महोत्सव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति सूर्य उपासना का पर्व है और यह भारतीय संस्कृति, एकजुटता तथा समृद्धि का सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति, लोहड़ी एवं पोंगल की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने इस अवसर पर तातापानी महोत्सव के आयोजन के लिए प्रतिवर्ष 25 लाख रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की।उन्होंने तपेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में प्राचीन शिव चबूतरे पर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला मुख्यालय बलरामपुर में शासकीय महिला कर्मचारियों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल, डाइट संचालन हेतु भवन, तथा जिला पंजीयन कार्यालय भवन निर्माण की घोषणा की। साथ ही उन्होंने 655 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जिले को विकास की नई सौगात दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार के दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और छत्तीसगढ़ की जनता से किए गए हर वादे को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रत्येक पात्र हितग्राही को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। अब किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य मिल रहा है। 70 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक-एक हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। 5 लाख से अधिक भूमिहीन किसानों को दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत 10-10 हजार रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। श्रीरामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक 40 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की तीर्थ यात्रा कराई जा चुकी है। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े तथा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तातापानी में 60 फीट ऊँची भगवान शिव की भव्य प्रतिमा के समीप स्कूली बच्चों के साथ पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह और आत्मीय वातावरण में मनाया। इस भावपूर्ण दृश्य ने पर्व की सांस्कृतिक गरिमा के साथ-साथ बच्चों के चेहरे पर उल्लास और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया।

पीडब्ल्यूडी की लापरवाही बनी जानलेवा,निर्माणाधीन ओवरब्रिज के गड्ढे में गिरकर युवक की मौत

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर में लोक निर्माण विभाग और ठेकेदार की गंभीर लापरवाही का एक और मामला सामने आया है। हीरापुर इलाके में निर्माणाधीन ओवरब्रिज के लिए सड़क पर खोदे गए खुले गड्ढे में गिरने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय गड्ढे के आसपास न तो कोई बैरिकेडिंग थी और न ही चेतावनी बोर्ड या रोशनी की व्यवस्था, जिसके चलते यह दर्दनाक दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बिहार निवासी मुना कुमार के रूप में हुई है, जो रायपुर की एक निजी कंपनी में काम करता था। रविवार देर रात वह रोजाना की तरह ड्यूटी पर जा रहा था, तभी अंधेरे में सड़क पर बने गहरे गड्ढे में गिर पड़ा। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई। गड्ढे में पानी भरा होने के कारण उसकी हालत और बिगड़ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी सोमवार सुबह मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि ओवरब्रिज निर्माण के तहत सड़क के बीच करीब 20 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था, लेकिन सुरक्षा के नाम पर कोई इंतजाम नहीं किया गया था। नियमों के अनुसार यहां मजबूत बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टर, चेतावनी संकेत और रात के समय पर्याप्त रोशनी होनी चाहिए थी, जो पूरी तरह नदारद थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर स्ट्रीट लाइट भी नहीं है, जिससे रात के समय सामने बना गड्ढा दिखाई ही नहीं देता। अंधेरे के कारण युवक सीधे गड्ढे में गिर गया और बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका। आसपास के लोगों ने आवाज सुनकर मदद करने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह गड्ढा कई दिनों से इसी तरह खुला पड़ा था। न पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने ध्यान दिया और न ही ठेकेदार ने सुरक्षा के इंतजाम किए। हादसे के बाद आनन-फानन में गड्ढे के आसपास कुछ जालियों की बैरिकेडिंग की गई है, जो बेहद कमजोर बताई जा रही है। अभी भी वहां मवेशियों और राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ है।

महादेव ऑनलाइन बुक : 21.45 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां अटैच

रायपुर। संवाददाता

महादेव ऑनलाइन बुक से जुड़े अंतरराष्ट्रीय अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रायपुर जोनल कार्यालय ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत 21.45 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच (जब्त) किया है। ईडी द्वारा अटैच की गई संपत्तियों में लगभग 98.55 लाख रुपए की चल संपत्ति और भारत व दुबई में स्थित कुल 27 अचल संपत्तियां शामिल हैं। इन अचल संपत्तियों में आवासीय मकान, व्यवसायिक दुकानें, कृषि भूमि और लग्जरी अपार्टमेंट शामिल बताए गए हैं। ईडी का कहना है कि ये सभी संपत्तियां अवैध सट्टेबाजी से अर्जित अपराध की कमाई से खरीदी गई थीं। जिन प्रमुख लोगों की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई है, उनमें महादेव ऑनलाइन बुक का मुख्य प्रमोटर और फरार आरोपी रवि उप्पल भी शामिल है। रवि उप्पल की दुबई में स्थित करीब 6.75 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियों को अटैच किया गया है। जांच एजेंसी के मुताबिक रवि उप्पल लंबे समय से दुबई में रहकर पूरे अवैध नेटवर्क का संचालन कर रहा था। इसके अलावा, सौरभ चंद्राकर के करीबी सहयोगी रजत कुमार सिंह की भिलाई और दुबई स्थित संपत्तियां भी ईडी के शिकंजे में आई हैं। रजत कुमार सिंह पर 15 से 20 करोड़ रुपए तक की अपराध की कमाई अर्जित करने का आरोप है। ईडी ने सौरभ आहूजा और विशाल रमानी की दुर्ग और भिलाई में स्थित अचल संपत्तियों को भी अटैच किया है। इन दोनों पर करीब 100 पैनल संचालित कर लगभग 30 करोड़ रुपए की अवैध कमाई करने का आरोप लगाया गया है। ईडी की कार्रवाई यहीं तक सीमित नहीं रही। विनय कुमार और हनी सिंह की जयपुर और नई दिल्ली स्थित आवासीय संपत्तियों के साथ-साथ उनके महिंद्रा थार और टोयोटा फॉरच्यूनर जैसे लग्जरी वाहनों को भी अटैच किया गया है।

आधुनिक ऑनलाइन तकनीकों ने बढ़ाई आबकारी विभाग की पारदर्शी व्यवस्था में विश्वसनीयता

छग राज्य सहकारी बैंक मर्यादित में नवाचार लागू

नई सुविधाओं से लाखों किसान हो रहे लाभान्वित -केदारनाथ....

- किसान क्रेडिट कार्ड योजना सहित अन्य नई सुविधाओं का किसानों को मिल रहा लाभ

रायपुर/ संवाददाता

छग राज्य सहकारी बैंक मर्यादित द्वारा वर्ष २०२५-२६ के लिए नवाचार लागू किया गया है। जिससे प्रदेश के लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। भ्रष्टाचार अब बीते दिनों की बात हो गई है। नवाचारों से भ्रष्टाचार की गुंजाइश नहीं बची है। राष्ट्रीय स्तर पर इलेक्ट्रानिक डिजिटल सुविधाओं का लाभ प्रदेश के किसान लाखों करोड़ों की संख्या में उठा रहे है। उक्त जानकारी छग राज्य सहकारी बैं मर्यादित (अपेक्स) के चेयरमैन केदारनाथ गुप्ता ने अपेक्स बैंक में आयोजित पत्रकारवार्ता में दी। गुप्ता ने पत्रकारवार्ता में बताया कि 12 जनवरी 2026 की स्थिति में बैक की वित्तीय व्यवस्था के तहत कुल जमा राशि 7752.29 करोड़ में से 4892.16 करोड़ रुपये किसानों को विभिन्न ऋण सुविधाओं के तहत प्रदाय किया गया। इसमें शासन की सुरक्षा निधि २१३२.४० करोड़ है एवं अदर बैंक एफडी ३६७१.६६ करोड़ है। गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के किसानों को यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर 99 प्रतिशत किसानों को धान के समर्थन मूल्य का पीईएम पोर्टल के माध्यम से 24 घंटे के अंदर भुगतान किया जा रहा है।

संवेदनशील शासन की पहल से सुकमा के श्रमिकों को मिली नई पहचान

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशील, समावेशी और जनकल्याणकारी सोच का प्रभाव अब सुदूर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि आमजन के जीवन में सम्मानजनक बदलाव लाना है। इसी सोच का जीवंत उदाहरण सुकमा जिले में देखने को मिल रहा है, जहां मनरेगा के अकुशल श्रमिक अब कुशल राज मिस्त्री बनकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के समन्वय से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के माध्यम से मनरेगा में पंजीकृत 30 श्रमिकों के लिए विशेष राज मिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में ईंट-चिनाई, भवन ले-आउट, प्लिंथ से छत तक निर्माण तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। यह पहल ऐसे समय में शुरू की गई है ।

शीशा तोड़कर साढ़े 13 लाख की उठाईगिरी.....

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग इलाकों में उठाईगिरी के दो मामलों में चोरों ने दो कारों का शीशा तोड़कर साढ़े 13 लाख रूपये पार कर दिये। एक मामला गंज थाना क्षेत्र का जहां कार का शीशा तोड़कर 10 लाख रुपये नगद और इलेक्ट्रॉनिक सामान पार कर लिया गया, वहीं दूसरे मामले में देवेंद्र नगर इलाके में सिटी सेंटर मॉल के पास कपड़ा व्यापारी की कार से साढ़े 3 लाख रुपये की उठाईगिरी की गई है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा इलाके में व्यवसायी प्रवेश अग्रवाल 12 जनवरी की शाम वे अपनी कार (सीजी-04-पीई-9909) से रायपुर कोर्ट गए थे। शाम करीब 5.45 बजे अपोलो डायग्नोस्टिक क्लिनिक के सामने कार खड़ी कर अंदर चले गए। करीब 6.20 बजे लौटने पर कार का पिछला कांच टूटा मिला और पीछे रखे बैग गायब थे। पीड़ित के अनुसार बैग में 10 लाख रुपये नगद, एप्पल लैपटॉप, सैमसंग टैब, हार्ड डिस्क और डेबिट-क्रेडिट कार्ड थे। सीसीटीव्ही फुटेज में 4 से 5 संदिग्ध युवक कार के आसपास घूमते दिखे, जिनमें से एक युवक नीली शर्ट पहने कांच तोड़कर बैग ले जाता नजर आया। वहीं दूसरे मामले में महासमुंद निवासी प्रदीप चोपड़ा की डूबरतराई, सदाराम मार्केट रायपुर में प्लास्टिक मटेरियल की अरिहंत मार्केटिंग नाम से दुकान है और पंडरी महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट में पास लिविंग नाम से फर्नीचर की दुकान संचालित करते हैं।

कटकोना के किसान लखपति सिंह ने 52 क्विंटल धान बेचकर पाया राहत और भरोसा

सुव्यवस्थित व्यवस्था से किसान को मिला संतोषजनक अनुभव

रायपुर/ संवाददाता

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में लागू पारदर्शी और डिजिटल धान खरीदी व्यवस्था किसानों के जीवन में भरोसे का नया अध्याय लिख रही है। ग्राम कटकोना निवासी किसान लखपति सिंह की सफलता इस बदली हुई व्यवस्था की सशक्त मिसाल बनकर सामने आई है। लखपति सिंह ने कटकोना उपार्जन केंद्र में अपनी मेहनत की फसल के कुल 52 क्विंटल धान की सफल बिक्री की। शासन द्वारा निर्धारित 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी की नीति के अंतर्गत उन्हें उनकी पूरी उपज का वाजिब और लाभकारी मूल्य प्राप्त हुआ, जिससे उनका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया। लखपति सिंह का टोकन ऑफलाइन जारी किया गया था, फिर भी वे निर्धारित तिथि पर उपार्जन केंद्र पहुंचे और बिना किसी बाधा के धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हुई। उपार्जन केंद्र में किसानों के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, छाया एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध थीं। डिजिटल तौल कांटे से धान की सटीक माप की गई, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और भरोसेमंद बनी रही। किसान लखपति सिंह बताते हैं कि पहले धान बेचने के दौरान उन्हें लंबी प्रतीक्षा और अनिश्चितता का सामना करना पड़ता था, लेकिन इस वर्ष सुव्यवस्थित और तकनीक आधारित व्यवस्था के कारण न तो देरी हुई और न ही किसी प्रकार की परेशानी। समर्थन मूल्य की राशि मिलने के बाद अब वे रबी फसल की तैयारी, बच्चों की शिक्षा तथा घरेलू जरूरतों की योजना निश्चिंत होकर बना पा रहे हैं। ग्राम कटकोना के किसान लखपति सिंह की

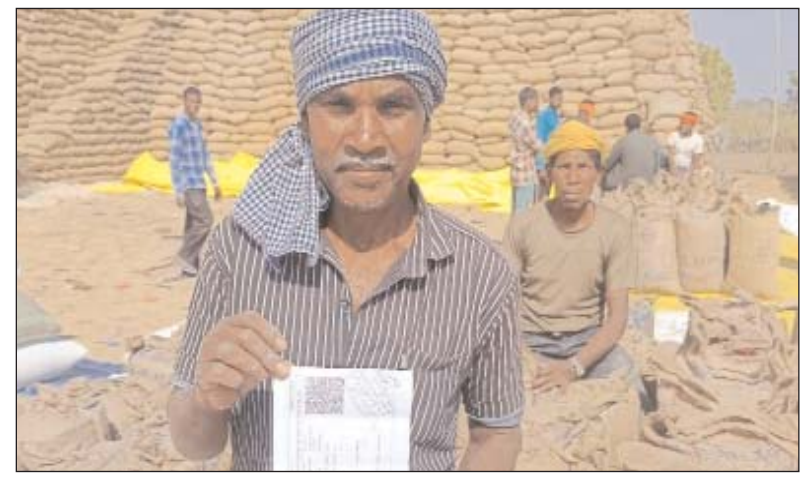

यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि डिजिटल और पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था न केवल किसानों के समय और मेहनत की रक्षा कर रही है, बल्कि उनके जीवन में स्थिरता, आत्मविश्वास और समृद्धि के नए अवसर भी खोल रही है।

सरकारी धान खरीदी से बदली किसान की किस्मत : सोरम के उमाकांत साहू ने धान बेचकर मजबूत की आर्थिक स्थिति

राज्य सरकार की सुव्यवस्थित और पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए आर्थिक संबल बन रही है। धमतरी जिले के ग्राम सोरम निवासी किसान उमाकांत साहू इसकी जीवंत मिसाल हैं। इस खरीदी सत्र में उन्होंने सोरम सहकारी समिति के माध्यम से अपनी सवा दो एकड़ भूमि में उपजाए गए 46 क्विंटल 40 किलो धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। किसान उमाकांत साहू ने बताया कि धान खरीदी केंद्र में पंजीयन, तौल और भुगतान की प्रक्रिया पूरी तरह सुचारु एवं पारदर्शी रही।

संपादकीय

यह गुस्सा बस अंकिता का नहीं?

उत्तराखंड में जंगलों में आग लगने वाला मौसम अभी शुरू नहीं हुआ, लेकिन उससे पहले ही राज्य में तपिश बढ़ चुकी है। 2022 के एक हत्याकांड को लेकर कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं, राजधानी देहरादून में एंजेल चकमा को लेकर बेचैनी है। त्रिपुरा के छात्र पर देहरादून में नस्लवादी हमला किया गया था, जिसमें उसकी मौत हो गई। साल 2022 में एक होटल में काम करने वाली 19 साल की अंकिता भंडारी की उसी होटल के मैनेजर पुलकित आर्य ने हत्या कर दी थी। अंकिता ने एक 'वीआईपी' मेहमान को सेक्सुअल फेवर देने से इनकार किया था। आरोप है कि वह वीआईपी व्यक्ति एक राजनीतिक पार्टी से जुड़ा था। इस मामले को लेकर पिछले साल से ही नाराजगी थी, अब पूरे राज्य में आंदोलन खड़ा हो गया है। पुलकित को उम्रकैद की सजा मिल चुकी है, लेकिन राज्य के लोगों और विपक्ष का गुस्सा इस बात पर है कि सरकार अभी तक उस 'वीआईपी शख्स' को पकड़ने में नाकाम रही है। विरोध-प्रदर्शनों में बेरोजगारी का मुद्दा भी उठ रहा है। कहा जा रहा है कि रोजगार की कमी के कारण अंकिता जैसों को असुरक्षित जगहों पर काम करना पड़ता है। राज्यसभा में पिछले साल दिसंबर में पेश पीएलएफएस के आंकड़े बताते हैं कि उत्तराखंड में बेरोजगारी दर 8.9 प्रतिशत है, पूरे देश में सबसे ज्यादा। उत्तराखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर ज्यादा नहीं है, इसी वजह से अंकिता केस को लेकर गुस्सा भड़कना स्वाभाविक है। पिछले 10 बरसों से 18-23 आयु वर्ग की महिलाओं में उच्च शिक्षा के मामले में राज्य का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत के बराबर या फिर उससे बेहतर ही रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों ने आधी आबादी को सशक्त किया है। हालांकि पुरुषों का पलायन, खासकर ग्रामीण इलाकों में बेहद ज्यादा है, लेकिन इसकी वजह बस आर्थिक नहीं। जंगलों की कटाई और टूरिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में पर्यावरणीय संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया। इसने उत्तराखंड को असुरक्षित और मौसम की चरम घटनाओं के प्रति बेहद संवेदनशील बना दिया है। इसकी वजह से ग्रामीण इलाकों से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। नीति आयोग की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में पलायन से प्रभावित आबादी 64 प्रतिशत है। यही वजह है कि 15वें वित्त आयोग ने आपदा प्रबंधन में उत्तराखंड का हिस्सा बढ़ाकर 4.2 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले यह 1.9 प्रतिशत था। इस बीच उत्तराखंड हाईकोर्ट जंगलों के 7,375 बाउंड्री पिलर गायब होने के मामले की भी सुनवाई कर रहा है।

बिना हिजाब की महिलाएं, सूट-बूट में राजा... कैसा था इस्लामिक गणराज्य बनने से पहले का ईरान?

ईरानी लोग सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली अपनी धार्मिक सरकार से नाराज हैं। बढ़ती महंगाई को लेकर गुस्से से शुरू हुए लगभग दो हफ्ते के आंदोलन के अब तक के सबसे बड़े विरोध प्रदर्शनों में शुक्रवार को हजारों ईरानी सड़कों पर उतर आए।देश के निर्वासित क्राउन प्रिंस के प्रदर्शनों के आह्वान के बाद धार्मिक नेतृत्व द्वारा देश का इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय टेलीफोन कॉल बंद करने के बावजूद लोग नारे लगाते हुए सड़कों पर मार्च कर रहे थे। एक्टिविस्ट्स द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में कथित तौर पर प्रदर्शनकारी राजधानी तेहरान और अन्य इलाकों में अलाव के चारों ओर ईरान की सरकार के खिलाफ नारे लगाते दिख रहे थे, जबकि सड़कों पर मलबा बिखरा हुआ था। नारों में 'तानाशाहमुर्दाबाद' और 'इस्लामिक गणराज्य मुर्दाबाद' शामिल थे। अन्य लोगों ने निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी की तारीफ की और चिल्लाकर कहा, 'यह आखिरी लड़ाई है। शाह का ऐसा समर्थन पहले मौत की सजा दिला सकता था, लेकिन अब यह उस गुस्से को दिखाता है जो ईरान की खराब अर्थव्यवस्था को लेकर शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों को हवा दे रहा है।

(प्रिंस गुरहा)

1979 की इस्लामिक क्रांति में हटाए गए ईरान के आखिरी शाह के बेटे, अमेरिका में रहने वाले रजा पहलवी ने ईरानियों से देश में इस्लामिक शासन के खिलाफ बड़ी संख्या में बाहर आने का आह्वान किया है।

जब ईरान पर राजाओं का था राज: पहलवी राजवंश ने 1925 से 1979 के बीच ईरान पर शासन किया, इससे पहले कि ईरानी क्रांति के दौरान राजशाही को उखाड़ फेंका गया, जिससे इस्लामिक गणराज्य की स्थापना हुई। इस दौरान, ईरान पर पश्चिमी सूट पहने राजाओं का शासन था, जिन्होंने इस मध्य पूर्वी देश का औद्योगीकरण किया।

उस समय इतिहासकारों का कहना है कि ईरान की राजधानी तेहरान इतनी आजाद और ग्लैमरस थी कि इसे मिडिल ईस्ट का पेरिस कहा जाता था, जहां महिलाएं हिजाब के बजाय छोटी स्कर्ट पहनकर सड़कों पर घूमती थीं।

हालांकि, इस दिखावे के पीछे शाह का लोहे जैसा शासन और पश्चिमी ताकतों के पक्ष में पुराना भ्रष्टाचार था। इस दमन के कारण राजा को उसके लोगों ने उखाड़ फेंका। मोहम्मद रजा शाह पहलवी, पहलवी के पिता निर्वासन में जाने से पहले ईरान के आखिरी शाह थे।

पहलवी राजवंश का जन्म शाही खून से नहीं, बल्कि युद्ध के मैदान में हुआ था। रजा खान एक सामान्य पृष्ठभूमि के सैन्य अधिकारी 1879 में रूसी मार्गदर्शन में गठित ईरान की फारसी कोसैक ब्रिगेड में रैंकों में ऊपर उठे। 1921 में उन्होंने ब्रिटिश अधिकारियों की मदद से एक तख्तापलट किया, जिन्हें ईरान में सोवियत प्रभाव का डर था।

1925 तक कजार राजवंश को उखाड़ फेंका गया और रजा खान को मजलिसएक अरबी इस्लामी परिषदद्वारा अगला शाह चुना गया। उन्होंने एक मध्ययुगीन फारसी शासक के सम्मान में पहलवी नाम अपनाया और आधुनिकीकरण और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवाद की महत्वाकांक्षाओं के साथ एक नए राजतंत्र की शुरुआत की।

राजतंत्र की अच्छाइयां, बुराइयां और बदसूरत पहलू

रजा शाह ने पश्चिमी शैली की शिक्षा और ड्रेस कोड जैसे बड़े सुधार शुरू किए, सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए घूंघट पर प्रतिबंध लगाया, एक राष्ट्रीय बैंक, रेलवे प्रणाली और एक मजबूत केंद्रीय राज्य की स्थापना की और अदालतों और स्कूलों में पादरियों के प्रभाव को सीमित किया।

लेकिन उनका शासन भी निरंकुश था। राजनीतिक असंतोष को कुचल दिया गया और स्वतंत्र प्रेस पर लगाम लगा दी गई। फिर भी कई लोग उन्हें आधुनिक ईरान का पिता मानते थे। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध ने सब कुछ बदल दिया।

1941 में ईरान के अपने ही सहयोगियों ने देश पर हमला कर दिया, क्योंकि उन्हें रजा शाह की नाजी जर्मनी से नजदीकी का डर था। ब्रिटिश और सोवियत सेनाओं ने उन्हें अपने बेटे 22 वर्षीय मोहम्मद रजा पहलवी के पक्ष में गद्दी छोड़ने के लिए मजबूर किया।

युवा शाह को एक कमजोर सिंहासन, एक विभाजित देश और बढ़ते राष्ट्रवादी भावना विरासत में मिली। अगले दशक के दौरान ब्रिटिश स्वामित्व वाली एंग्लो-ईरानी ऑयल कंपनी (एआईओसी) द्वारा नियंत्रित ईरानी तेल गहरे असंतोष का स्रोत बन गया। इससे 1951 में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया, जब ईरानी संसद ने मोहम्मद मोसादेग को प्रधान मंत्री चुना।

एक कट्टर राष्ट्रवादी मोसादेग ने ईरान के तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण किया, सीधे तौर पर ब्रिटिश नियंत्रण को चुनौती दी। इससे ब्रिटिश और अमेरिकी नाराज हो गए, जिन्हें डर था कि ईरान सोवियत संघ की ओर झुक जाएगा।1953 में अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) ने ऑपरेशन एजैक्स को अंजाम दिया, एक तख्तापलट जिसने मोसादेग को हटा दिया और मोहम्मद रजा पहलवी को पूर्ण नियंत्रण के साथ फिर से स्थापित किया। यह पहलवी के तहत पूर्ण राजशाही की शुरुआत और ईरानी मामलों में अमेरिकी प्रभुत्व की भी शुरुआत थी।

शाह अब सिर्फ एक राजा नहीं थे। वह तेहरान में अमेरिका के आदमी थे। 1960 के दशक में, मोहम्मद रजा शाह ने व्हाइट क्रांति शुरू की जो ईरान को मॉडर्न बनाने के लिए ऊपर से नीचे तक सुधारों की एक सीरीज थी, जैसे सामंती जमींदारों को कमजोर करने के लिए जमीन का बंटवारा, महिलाओं को वोट का अधिकार, ग्रामीण इलाकों के लिए साक्षरता और स्वास्थ्य कार्यक्रम, औद्योगीकरण और सेना का विस्तार। ईरान में आर्थिक विकास, शहरीकरण और एक बढ़ता हुआ मिडिल क्लास देखा गया।

राजनीतिक पार्टियों पर लगाया गया बैन

राजनीतिक पार्टियों पर बैन लगा दिया गया था और शाह की सीक्रेट पुलिस एसएवीएके ने टॉर्चर और डर से विरोध को दबा दिया। अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी जो उस समय एक आम धर्मगुरु थे उन्होंने शाह के पश्चिमीकरण की निंदा की और उन्हें 1964 में देश निकाला दे दिया गया।

लेकिन इस बीच क्रांति की नींव पड़ चुकी थी। बढ़ती महंगाई, असमानता, तानाशाही शासन और बढ़ते धार्मिक विरोध के कारण 1978 में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। अपनी शक्तिशाली सेना के बावजूद, शाह ने पूरी ताकत का इस्तेमाल करने में हिचकिचाहट दिखाई।जनवरी 1979 तक कभी शक्तिशाली रहा राजा ईरान छोड़कर भाग गया और फिर कभी वापस नहीं लौटा। 1 फरवरी, 1979 को अयातुल्ला खुमैनी निर्वासन से हीरो की तरह स्वागत के साथ लौटे। कुछ ही हफ्तों में पहलवी राजशाही खत्म हो गई। ईरान मौलवियों के शासन के तहत एक इस्लामिक गणराज्य बन गया। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

ईरान में क्या इस्लामी शासन के दिन पूरे हो गये?

(नीरज कुमार दुबे)

ईरान की राजधानी तेहरान से लेकर मशहद, इस्फहान और दर्जनों छोटे शहरों तक हालात एक जैसे हैं। सड़कों पर युवा हैं, महिलाएं हैं, मजदूर हैं और अब मध्यम वर्ग भी खुलकर सामने आ चुका है। नारे अब रोटी कपड़ा और नौकरी तक सीमित नहीं रहे।

ईरान इस समय उबाल पर है। जो विरोध महंगाई, बेरोजगारी और बदहाल अर्थव्यवस्था के खिलाफ शुरू हुआ था वह अब सीधे इस्लामी सत्ता व्यवस्था को उखाड़ फेंकने की चुनौती बन चुका है। लगातार बारह दिनों से सड़कों पर उतर रही जनता अब केवल नारे नहीं लगा रही बल्कि सत्ता के प्रतीकों को जलाकर यह साफ संदेश दे रही है कि डर की दीवार टूट चुकी है। सरकारी इमारतें, पुलिस चौकियां और प्रशासनिक वाहन जनता के गुस्से का निशाना बन रहे हैं। यह केवल प्रदर्शन नहीं है, यह व्यवस्था के खिलाफ खुला विद्रोह है। तेहरान से लेकर मशहद, इस्फहान और दर्जनों छोटे शहरों तक हालात एक जैसे हैं। सड़कों पर युवा हैं, महिलाएं हैं, मजदूर हैं और अब मध्यम वर्ग भी खुलकर सामने आ चुका है। नारे अब रोटी कपड़ा और नौकरी तक सीमित नहीं रहे। सीधे सर्वोच्च नेता और पूरी इस्लामी व्यवस्था को ललकारा जा रहा है। सत्ता के खिलाफ इस तरह की खुली बगावत ईरान के इतिहास में बहुत कम देखी गई है। हालांकि ईरान सरकार का जवाब भी उतना ही सख्त और बेरहम है। इंटरनेट बंद, मोबाइल सेवाएं ठप, सुरक्षा बलों को खुली छूट और गिरफ्तारियों का अंधाधुंध दौर चल रहा है। दर्जनों मौतें हो चुकी हैं और हजारों लोग जेलों में ठूंस दिए गए हैं। सत्ता यह दिखाना चाहती है कि वह अब भी मजबूत है, लेकिन हकीकत यह है कि डर के बल पर चलने वाली किसी भी व्यवस्था का अंत हमेशा हिंसक होता है। हम आपको यह भी बता दें कि इन हालात के बीच रेजा पहलवी का नाम फिर से उभर रहा है। वह ईरान के आखिरी शाह के बेटे हैं और खुद को देश का वैध क्राउन प्रिंस मानते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद उनका परिवार देश छोड़ने पर मजबूर हुआ था। तब से वह निर्वासन में हैं और खुद को लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष ईरान का चेहरा बताने की कोशिश कर रहे हैं। रेजा पहलवी खुले तौर पर मौजूदा सत्ता को अवैध बताते हैं और सेना तथा जनता से अपील कर रहे हैं कि वह इस्लामी नेतृत्व का साथ छोड़ दें। उनके समर्थक उन्हें ईरान के लिए एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में पेश कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ भावनात्मक अपील है या वाकई सत्ता परिवर्तन का कोई ठोस खाका है। सवाल यह भी है कि क्या ईरान में तख्तापलट होने वाला है? देखा जाये तो यह सवाल इस समय हर विश्लेषण का केंद्र बना हुआ है। मगर सच्चाई यह है कि ईरान में हालात गंभीर जरूर हैं लेकिन तख्तापलट के लिए संगठित नेतृत्व, सेना का समर्थन और सत्ता संरचना के भीतर दरार जरूरी होती है। फिलहाल जो दिख रहा है वह जनता का गुस्सा है, लेकिन वह गुस्सा बिखरा हुआ है। कोई एक केंद्रीकृत नेतृत्व नहीं है जो सत्ता संभालने की स्थिति में हो। रेजा पहलवी की लोकप्रियता सोशल मीडिया और प्रवासी ईरानियों में जरूर है, लेकिन देश के भीतर उनके पास न तो संगठन है और न ही जमीन पर नियंत्रण। ईरान की सुरक्षा व्यवस्था बेहद मजबूत और वैचारिक रूप से कट्टर है। रिवोल्यूशनरी गार्ड केवल सेना नहीं बल्कि सत्ता की भी रीढ़ हैं। जब तक इस ढांचे में टूट नहीं होती तब तक तख्तापलट की बात करना जल्दबाजी होगी। जहां तक यह सवाल है कि क्या राजशाही की वापसी संभव है तो आपको बता दें कि राजशाही की वापसी एक और भावनात्मक कल्पना है। आज का ईरान 1979 वाला ईरान नहीं है। चार दशक की इस्लामी सत्ता ने समाज की संरचना बदल दी है। नई पीढ़ी स्वतंत्रता चाहती है लेकिन जरूरी नहीं कि वह किसी शाह को फिर से गद्दी पर बैठाना चाहती हो। रेजा पहलवी खुद भी खुलकर यह नहीं कहते कि वे राजा बनेंगे। वह सत्ता को जनता के हवाले करने और जनमत संग्रह की बात करते हैं। राजशाही की वापसी फिलहाल एक नारा भर है, हकीकत नहीं। ईरान संकट का सामरिक प्रभाव देखें तो इसमें कोई दो राय नहीं कि ईरान पूरे पश्चिम एशिया की धुरी है। यहां अस्थिरता का मतलब है तेल बाजार में उथल पुथल, खाड़ी क्षेत्र में तनाव और कई देशों में प्रॉक्सी संघर्ष का तेज होना।

जलवायु संकट से गुम होती भिनभिनाहट, खतरे में भौंरों का अस्तित्व

पहाड़ की ढलान से उतरते हुए अचानक एक भिनभिनाहट सुनाई दी। मानो जैसे कानों में कोई संगीत गुनगुना रहा हो। नज़र उठाई तो देखा एक फूल से दूसरे फूल पर डोलता एक छोटा सा भौंरा (भंवरा) पास ही में लगे गमलों के फूलों में मदमस्त था। उसकी धीमी धीमी सी भिनभिनाहट मानो जैसे यह याद दिलाना चाह रही हो कि वह सिर्फ एक कीट नहीं, बल्कि प्रकृति की सबसे मेहनती परागणकर्ता (पोलिनेटर) है। दुनिया में भंवरों की लगभग 250 से ज्यादा प्रजातियाँ हैं।

(अनु साइकॉम)

भारत इस दृष्टि से बेहद समृद्ध है। यहाँ करीब 50 से ज्यादा ज्ञात प्रजातियाँ मौजूद हैं, जिनमें से अधिकांश हिमालय की ऊँचाइयों पर जीवन व्यतीत करती हैं। अधिकांशतः ये समशीतोष्ण क्षेत्रों में पाए जाते हैं, पर कुछ प्रजातियां उष्णकटिबंधीय इलाकों में भी बसती हैं। ये कभी भूमिगत बिलों में तो कभी सूखी पत्तियों और लकड़ियों के बीच अपने घर बनाते हैं।

मौसम की मार और इंसानी हस्तक्षेप

लेकिन इन भौंरों का जीवन उतना सुखद भी नहीं रह गया है जितना हमें प्रतीत होता है। बदलता मौसम, जलवायु एवं इंसानी गतिविधियां मिलकर धीरे-धीरे इनका संसार उजाड़ रही हैं। जलवायु परिवर्तन का असर अब भौंरों पर तेजी से दिखाई देने लगा है, और हम सभी के लिए यह चिंता का विषय भी है क्योंकि भौंरे हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परागणकर्ता हैं।

फसलों और जंगली पौधों के प्रजनन में उनकी एक हम भूमिका है, लेकिन बदलते मौसम के कारण उनका अस्तित्व खतरे में है। क्यूंकि बढ़ता तापमान, असामान्य वर्षा, घटती बर्फबारी और फूलों के खिलने के समय में बाधा जैसी परिस्थितियां भौंरों के जीवन-चक्र को काफी हद तक बाधित कर रही हैं। हीटवेव, सूखा और तूफानों जैसी चरम मौसमी घटनाएँ उनके घोंसलों को नष्ट कर देती हैं और भोजन की तलाश को बहुत कठिन बना देती हैं।

इसके अलावा, पौधों की विविधता में बदलाव से उनके लिए पर्याप्त भोजन और सुरक्षित आवास खोजना मुश्किल हो जाता है साथ ही इस स्थिति को और भी जटिल बनाती हैं मानवीय गतिविधियाँ जिसमें शामिल है शहरीकरण और भूमि उपयोग में बदलाव जो भौंरों के आवास को असुरक्षित बना रही हैं। इन कारणों से भौंरों की आबादी पर गहरा संकट मंडरा रहा है, जो अंततः हमारे खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन पर भी असर डाल सकता है।

शोध से मिले सबक

जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा किए गए एक शोध में हिमालयी भौंरों की विविधता और उनके पौधों से संबंधों पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिलीं। अध्ययन के दौरान किसानों को जागरूक करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गई, जहां उन्हें समझाया गया कि भौंरे उनकी फसलों की उपज बढ़ाने में सहायक हैं।

इस शोध ने कुछ प्रमुख पहलुओं पर रौशनी डाली जैसे की भारतीय हिमालयी क्षेत्र में स्वदेशी भोंरों के संरक्षण के लिए सबसे पहले उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा और पुनर्स्थापना आवश्यक है।

इसके साथ ही किसानो को

भोंरों की सुरक्षा के लिए रसायन-मुक्त और मित्रवत दृष्टिकोण को अपनाना बेहद ज़रूरी है। कीटनाशक, खरपतवारनाशक और फफूंदनाशक जैसी रसायन सामग्री अक्सर मधुमक्खियों को सीधे नुकसान पहुँचाती हैं या उनके भोजन व घोंसला बनाने वाले पौधों को नष्ट कर देती हैं। साथ ही साथ यह भी साफ तौर पर बताया गया की संरक्षण प्रयास में स्थानीय और ग्रामीण समुदायों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रामीण समाज के पास परंपरागत ज्ञान और टिकाऊ खेती की पद्धतियां हैं, जो जैव विविधता की रक्षा में सहायक हो सकती हैं। समान रूप से महत्वपूर्ण पहलू है जागरूकता और जनसंपर्क। अब तक जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में करीब 40 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। 400 से अधिक किसानों को बेहतर परागण प्रबंधन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया है और सलाह पुस्तिकाएँ वितरित की गई हैं ताकि वे टिकाऊ पद्धतियाँ अपना सकें।

हमें क्यों सोचने की जरूरत है?

भौंरे केवल फूलों के साथी नहीं हैं, बल्कि हमारी खाद्य सुरक्षा की भी नींव हैं। अगर वे गायब हो गए, तो फसलें और जंगल दोनों प्रभावित होंगे। इसलिए उनकी सुरक्षा दरअसल हमारी अपनी सुरक्षा है। जरूरत है कि हम पेस्टिसाइड का इस्तेमाल घटाएं, जंगल और चरागाह बचाएं। सबसे महत्वपूर्ण है लोगों को यह समझाना कि यह छोटा-सा जीव हमारी जिदगी से कितनी गहराई से जुड़ा है। इसीलिए जब अगली बार आपके घर के आँगन या पहाड़ की ढलान पर कोई भौंरा गुनगुनाए, तो उसे सिर्फ एक कीट मत समझिएगा।यह लेखक के निजी विचार हैं।

ग्रामीणों में खुशी की लहर, पहली बार विधायक का ऐसा दौरा

अबूझमाड़ के दुर्गम गांवों में पहुंचे बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी

बीजापुर। बीजापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम मंडावी ने इंद्रावती नदी पार अबूझमाड़ के घने जंगलों से सटे बीजापुर जिले के अत्यंत दुर्गम और दूरस्थ आदिवासी गांवों का ऐतिहासिक दौरा किया। यह दौरा विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ इन क्षेत्रों के लिए पूरी तरह से ऐतिहासिक साबित हुआ, क्योंकि अब तक किसी भी विधायक ने इन गांवों तक पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे मुलाकात नहीं की थी और उनकी समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से नहीं सुना था। विधायक विक्रम मंडावी ने ग्राम बांगोली, सतवा, बेलनार, चिडन्गेर, पोनोडवाया, पल्लेवाया, ताकिलोड, बोडगा, रेखावाया, जाडका, करकावाया, ईतामपार छोटेपल्ली, बड़ेपल्ली, गुडरा किसकेल, कोलनार, ताडवला, मरामेटा, मिरदीनपल, डूंगा, बेड़मा, बैल, धर्मा और मरकापाल सहित कई अन्य गांवों का भ्रमण किया। ये गांव अबूझमाड़ के सबसे दुर्गम इलाकों में बसे हुए हैं, जहां पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण है। यहां सड़क, बिजली, शुद्ध पेयजल, स्कूल और अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं लगभग नहीं हैं। दौरे के दौरान ग्रामीणों ने विधायक विक्रम मंडावी से खुले दिल से अपनी पीड़ा साझा की। ग्रामीणों ने विधायक विक्रम मंडावी से बच्चों के लिए स्थायी स्कूल भवन और नियमित शिक्षकों की उपलब्धता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना, ताकि बीमारियों से जूझते ग्रामीणों को दूर-दराज अस्पताल न जाना पड़े। घने जंगलों में सड़कों का अभाव होने से स्कूल, बाजार और अस्पताल तक पहुंच बेहद कठिन है। इसलिए पक्की सड़कों का निर्माण किया जाए। नदी-नालों के दूषित पानी पर निर्भरता खत्म करने के लिए हैंडपंप, ट्यूबवेल और जल टाँकों की व्यवस्था किया जाय। गांवों में बिजली पहुंचाया जाए। स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक रोजगार सृजन, ताकि युवा पलायन न कर सकें। आदि मांगे प्रमुख है। विधायक विक्रम मंडावी ने ग्रामीणों को पूर्ण भरोसा दिया कि वे जिला प्रशासन बीजापुर और सरकार से तत्काल संपर्क करेंगे और इन सभी मांगों को प्राथमिकता पर पूरा करवाने के लिए ठोस प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा अबूझमाड़ के ये गांव सालों से विकास से वंचित रहे हैं। अब समय आ गया है कि सरकार की सभी योजनाएं और सुविधाएं इन गांवों तक पहुंचें। मैं ग्रामीणों की हर समस्या का समाधान करवाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इससे पहले विधायक के गांवो में पहुंचते ही पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने जगह-जगह गाजे-बाजे बजाकर, फूल-मालाओं से स्वागत किया और पारंपरिक नृत्य-गान से उनका अभिनंदन किया। बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग सभी उत्साहित नजर आए। कई ग्रामीणों ने भावुक होकर कहा पहली बार कोई विधायक हमारे गांव आया है, हमारी बात सुनी है। अब उम्मीद जगी है कि हमारा विकास होगा और हम मुख्यधारा से जुड़ पाएंगे। दौरे के समापन पर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा, ये गांव अबूझमाड़ के दिल में बसे हैं। यहां के आदिवासी भाई-बहन सालों से मुख्यधारा से कटे हुए हैं। मैंने ग्रामीणों से वादा किया है कि उनकी हर समस्या का समाधान करवाऊंगा। विकास की रफ्तार अब इन गांवों तक जरूर पहुंचेगी।

टिकनपाल में तीन दिवसीय संकुल स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता का हुआ आगाज

किरंदुल। ग्राम पंचायत टिकनपाल में संकुल स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। जिसमें ग्राम पंचायत टिकनपाल, चोलनार, कलेपाल, समलवार, मदाड़ी, मड़कामीरास, हिरोली, कड़मपाल, कुटरेम, गुमियापाल, तनेली के स्कूली बच्चे, शिक्षक, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी शामिल हुए। संकुल स्तरीय खेल में दौड़, रिलेरेस, कबडडी, गोलाफेक, तवाफेक, भालाफेंक, ऊँचीकूद, लंबीकूद, जलेबी दौड़, रस्सीकूद, मेढ़क दौड़ आदि खेल शामिल हैं। जिला पंचायत सदस्य सोमारु कड़ती के द्वारा झंडा फहराया गया। उसके पश्चात् माँ दंतेश्वरी के चित्रपटल पर पुष्पगुच्छ अर्पित कर खेल का शुभारम्भ किया गया।इस खेल प्रतियोगिता में कुआकोंडा सरपंच संघ के अध्यक्ष राजू कड़ती, राजूराम भास्कर, भीमाराम मंडावी, बुधराम ताती, पोदिया राम ताती,नंदाराम कुंजाम, कमलू कड़ती, लच्छू कुंजाम, देवसिंग ताती, गोविन्द गावड़े मंगल कुंजाम समस्त संकुल समन्वयक शिक्षक बच्चे एवं ग्रामवासी उपस्थित रहें।

पुलिस के हत्थे चढ़ा नशे का सौदागर, शहर युवाओं को पुड़िया बनाकर बेचता था गांजा

केशकाल। एक बार फिर अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ केशकाल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शहर में युवाओं को पुड़िया बनाकर गांजा बेचने वाले आरोपी धनंजय पांडे को केशकाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल कोंडागांव एसपी पंकज चन्द्रा ने जिले के समस्त थाना प्रभारियों को जिले में होने वाले अवैध जुआ, सटटा, मादक पदार्थों की तस्करी समेत अन्य प्रतिबंधित गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। एसपी पंकज चंद्रा के निदेर्शानुसार एडिशनल एसपी कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन एंव एसडीओपी अरूण कुमार नेताम के पर्यवेक्षण में केशकाल थाना पुलिस के द्वारा लगातार गांजा तस्करो पर कार्यवाही की जा रही थी। इसी तारतम्य में केशकाल पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की धनंजय पाण्डे अपने घर में अवैध रूप से छोटा छोटा पुडिया बनाकर गांजा बिक्री हेतु छिपा कर रखा है। इस सूचना पर हमराह स्टाफ ने घेराबंदी कर मकान की तलाशी लेने पर रसोई कमरा में एक पैकेट व 5 नग पुडिया कुल वजन 01.710 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया। जिसे मौके पर जप्त कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) के तहत कार्यवाही कर आरोपी धनंजय पाण्डे पिता स्व. उर्धव पाण्डे उम्र 55 वर्ष निवासी हर्रापडाव केशकाल को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। सम्पूर्ण कार्यवाही में केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल, स.उ.नि. अनिता मेश्राम, प्र.आर. महेश्वरी शाडिल्य, आर. मनोहर निषाद अमित मंडावी, महिला आर. उर्मिला मरकाम एवं सोनल यादव की अहम भूमिका रही।

खतरे में है बस्तर का प्रवेश द्वार : एनएच-30 खालेमुरवेंड का पुल हुआ जर्जर, नए पुल का निर्माण भी बंद

केशकाल। बस्तर संभाग का प्रवेश द्वार कहलाने वाला केशकाल सड़क कनेक्टिविटी को लेकर लम्बे समय से उपेक्षा का दंश झेल रहा है। पहले केशकाल घाटी के जर्जर हाल से लोग परेशान थे। जब घाटी की सड़क का सौंदर्यीकरण हुआ तो केशकाल शहर की सड़क खराब हो गई। अब घाटी के नीचे ग्राम खालेमुरवेंड का पुल अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है।

राजधानी को बस्तर से जोड़ने वाला एकमात्र मार्ग है- जी हां, राजधानी रायपुर को बस्तर और दक्षिण भारत से जोड़ने वाली एकमात्र सड़क एनएच 30 ग्राम खालेमुरवेंड का पुलिया जो कि अविभाजित मध्यप्रदेश में बनाया गया था, इन दिनों अत्यंत जर्जर अवस्था मे है। इस पुल पर बड़े-बड़े गड्ढे पनपने लगे हैं। वही सड़क के बीचों बीच दरारें इतनी बढ़ चुकी हैं की पुल के नीचे का नाला और खाई तक नजर आने लगी है। सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए पुल पर बनाया गया साइड वॉल पूरी तरह से टूट चुका हैं। जब भी कोई मालवाहक वाहन और यात्री बस इस पुल से गुजरती है तो ये पुल थर-थर कांपने लगता है। अगर ये पुल टूट जाता है तो राजधानी रायपुर से बस्तरवासियों का कनेक्शन पूरी तरह टूट जाएगा।

बंद पड़ा हुआ है नए पुल का निर्माण कार्य

इस जर्जर पुल की ठीक बगल में राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के द्वारा नवीन पुलिया का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया था। लेकिन ठेकेदार द्वारा निर्धारित समयावधि में निर्माण कार्य पूरा न किए जाने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट कर दिया था। अब लगभग साल भर बीतने को है इस पुल का निर्माण कार्य बंद पड़ा हुआ है। यदि जल्द से जल्द इस जर्जर पुल की मरम्मत नहीं करवाई गई तो आने वाले समय में इस पुल पर बड़ी दुर्घटना होने की संभावना भी बनी हुई है। साथ ही निमार्णाधीन बपुल का कार्य भी जल्द पूरा करवाना अब जरूरी हो गया है।

नवनिर्मित पुल से आवागमन जल्द शुरू करवाया जाएगा : कलेक्टर

पायनियर प्रतिनिधि से बातचीत करते हुए कोंडागांव कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 30 खालेमुरवेंड में बना पुल काफी जर्जर हो चुका है। जिसे देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा ठीक बगल में नए पुल का निर्माण करवाया जा रहा है जो लगभग पूर्ण हो चुका है, केवल अप्रोच रोड का निर्माण होना बाकी है। हमारा प्रयास है कि जल्द ही अप्रोच रोड निर्माण का कार्य पूरा करवाते हुए नए पुल से आवागमन शुरू करवाया जाएगा।

बेनर्जी पैलेस के मंच से सजी राष्ट्रनिर्माण की प्रेरक तस्वीर

नारायणपुर। बेनर्जी पैलेस द्वारा आयोजित नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं स्वामी विवेकानंद पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता अत्यंत गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, संस्कार और आत्मविश्वास से ओत-प्रोत नई पीढ़ी के निर्माण का सशक्त संदेश बनकर उभरा, प्रतियोगिता में 147 बच्चों ने उत्साह, अनुशासन और ओजस्वी भाव-भंगिमाओं के साथ सहभागिता करते हुए मंच को जीवंत कर दिया। बाल कलाकारों ने सुभाष चंद्र बोस और स्वामी विवेकानंद के विचारों, आदर्शों और व्यक्तित्व को जिस आत्मीयता से प्रस्तुत किया, उसने उपस्थित जनसमुदाय को भावविभोर कर दिया।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अशोक मंडावी कक्षा 5, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विद्यापीठ, द्वितीय स्थान मेघा रावटे बाल वाटिका/ नर्सरी, केंद्रीय विद्यालय, तृतीय स्थान अक्षिता वर्मा कक्षा 2, केंद्रीय विद्यालय ने प्राप्त कर अपने-अपने विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर वीरेंद्र बहादुर पंच भाई तथा नारायणपुर एसडीएम अभयजीत मंडावी ने बच्चों के प्रदर्शन की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि– ऐसे आयोजन बच्चों में राष्ट्रबोध, आत्मसम्मान और नेतृत्व के संस्कार रोपित करते हैं, जो आगे चलकर सशक्त भारत का आधार बनते हैं। निष्पक्ष और विद्वत निर्णायक मंडल में बृजेश्वरी रावटे प्राचार्य, माध्यमिक विद्यालय बांग्लापारा,रत्ना नशीने प्राचार्य, कृषि महाविद्यालय, विवेक कुमार गुप्ता उप-प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय,स्वामी अलिप्ती आत्मानंद महाराज एवं स्वामी वशुदानंदन महाराज रामकृष्ण मिशन ने अपनी विद्वत, संतुलित और प्रेरक भूमिका निभाई। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन नारायण साहू एवं गरिमा कुमार ने किया।

कलेक्टर ने दिए बोर्ड परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के लिए प्राचार्यों को कार्य योजना बनाने के निर्देश

नारायणपुर। जिले के बोर्ड परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के उददेश्य से जिला कार्यालय के सभा कक्ष में कलेक्टर नम्रता जैन की अध्यक्षता में जिले के हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलो के प्राचार्यो की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समीक्षा करते हुए अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम के आधार पर विद्यालयों की प्रगति की प्राचार्यो से फीडबैक लिया गया तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत रूपरेखा बनाने के निर्देश दिए। बैठक कि समीक्षा करते हुए कलेक्टर जैन ने जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों की प्रशंसा करते हुए अन्य विद्यालयों को भी बेहतर परिणाम के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए सुव्यवस्थित रूप से तैयार करने, कमजोर, औसत एवं श्रेष्ठ विद्यार्थियों की सूची तैयार कर उन्हें विशेष शिक्षण योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक के दौरान विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं पर भी गंभीरता से चर्चा करते हुए निराकरण कराए जाने निर्देशित किया गया। प्राचार्य को निर्देशित कहा कि हाई स्कूल महिमागवाड़ी में आधार सुधार से संबंधित समस्या को तत्काल कार्यवाही किए जाने हेतु अगले ही दिन शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने 1 फरवरी 2026 से बोर्ड परीक्षा पूर्वाभ्यास हेतु विशेष परीक्षाएं आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर नम्रता जैन ने शिक्षकों को समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बैठक में उपस्थित प्राचार्यों को निर्देशित करते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलो के कमजोर विद्यार्थियो को अच्छे अंको में उत्तीर्ण कराने के लिए विशेष कक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए।

अबूझमाड़ में शांति और विकास की ओर एक नई दौड़ पीस मैराथन 2026

नारायणपुर। जिला परियोजना लाइवलीहूड कॉलेज नारायणपुर के अंतर्गत संचालित पुनर्वास केन्द्र में एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुनर्वास केन्द्र में उपस्थित आत्मसमर्पण हितग्राहियों द्वारा अबूझमाड़ पीस मैराथन 2026 के प्रचार-प्रसार हेतु एक विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल एक मैराथन का प्रचार नहीं, बल्कि अबूझमाड़ में शांति, विश्वास, उन्नति और समग्र विकास की नई इबारत लिखना था। यह आयोजन उस नए सवेरे का प्रतीक बना, जहाँ हिंसा नहीं, संवाद हो; डर नहीं, उम्मीद हो; अलगाव नहीं, सहभागिता हो। इस अवसर पर यह सशक्त संदेश दिया गया कि अबूझमाड़ का भविष्य शांति, शिक्षा, रोजगार और विकास से जुड़ा है और यहाँ के लोग नए भारत के निर्माण में कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 5 किलोमीटर दौड़ शांति की ओर बढ़ते कदम कार्यक्रम के अंतर्गत आत्मसमर्पण हितग्राहियों द्वारा 5 किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड़ केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि शांति, एकता और सकारात्मक बदलाव की दिशा में सामूहिक संकल्प का प्रतीक बनी। दौड़ के माध्यम से लोगों को अबूझमाड़ पीस मैराथन 2026 से जुड़ने तथा अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में एससुमित गर्ग, डीएसपी आशीष नेताम, नायब तहसीलदार विजय साहू, सहायक संचालक मानक लाल अहिरवार सहित लाइवलीहूड कॉलेज के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे मुख्यधारा से जुड़ाव, विश्वास बहाली और स्थायी शांति की दिशा में एक प्रभावी कदम बताया।

परलकोट के नर-नारायण सेवा आश्रम का ऐतिहासिक मेला का शुभारंभ

पखांजूर। नर-नारायण सेवा आश्रम में मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर दस दिनों तक चलने वाले 62वें पखांजूर मेले का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। मेला शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के विधायक विक्रमदेव उसेंडी तथा नगर पंचायत अध्यक्ष नारायण साहा ने मेला परिसर पहुंचकर कार्यक्रम का उदघाटन किया। शुभारंभ से पूर्व अतिथियों ने आश्रम परिसर स्थित स्वामी सत्यानंद महाराज के समाधि स्थल पर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया एवं आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात मेला उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें आश्रम द्वारा संचालित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विधायक विक्रमदेव उसेंडी ने कहा कि परलकोट क्षेत्र में बंग विस्थापन के समय स्वामी सत्यानंद ठाकुर ने यहां के समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार किया। उन्हीं के आशीर्वाद से आज परलकोट क्षेत्र विकास की दिशा में अपनी अलग पहचान बना चुका है और क्षेत्र का प्रत्येक बंग परिवार सुख-समृद्धि की ओर अग्रसर है। विधायक ने जानकारी दी कि 16 जनवरी को प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वयं पखांजूर मेले में शामिल होंगे। इस दौरान वे स्वामी सत्यानंद महाराज के समाधि स्थल पर दर्शन करेंगे तथा मेले में उपस्थित साधु-संतों से भेंट करेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद यह पहला अवसर होगा जब कोई मुख्यमंत्री पखांजूर स्थित सत्यानंद आश्रम के इस बड़े आयोजन में सम्मिलित होगा, जो इस संप्रदाय से जुड़े लोगों के लिए साथ ही इस क्षेत्र के लिए गर्व और खुशी का विषय है। उल्लेखनीय है कि स्वामी सत्यानंद महाराज ने वर्ष 1962 में नर-नारायण सेवा आश्रम की स्थापना की थी तथा वर्ष 1963 से मकर संक्रांति मेला प्रारंभ किया गया, ताकि श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गंगासागर में स्नान के समान पुण्य की अनुभूति हो सके। मेला शुभारंभ कार्यक्रम में मेला समिति के स्वामी बीरानंद ब्रह्मचारी, स्वामी नित्यानंद ब्रह्मचारी, स्वामी ज्योर्तिमय ब्रह्मचारी, पूर्व विधायक व हल्बा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंतुराम पवार, नगर पंचायत अध्यक्ष नारायण साहा, उपाध्यक्ष शंकर सरकार, जिला पंचायत सदस्य दीपांकर राय, सुनीता महल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मोनिका साहा, हरीपर विश्वास, श्याम तिवारी, शिवानंद मंडल, गीतारानी हालदार, गणेश साहा, निर्मल भवाल, मिहिर राय, दिलीप विश्वास सहित बड़ी संख्या में साधु-संत, ब्रह्मचारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर तेलुगु समाज की महिलाओं ने निभाई पारंपरिक परंपरा

बीजापुर। बीजापुर जिला मुख्यालय के राउतपारा मोहल्ले में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर तेलुगु समाज की महिलाओं ने अपनी प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं का उल्लासपूर्वक निर्वहन किया। प्रातः करीब 5 बजे महिलाओं द्वारा लकड़ियों का मीनार बनाकर विधिवत अग्नि प्रज्वलित की गई, जिसके साथ ही संक्रांति पर्व का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक भजनों का सामूहिक गायन करते हुए नृत्य किया और सूर्य देव की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे वातावरण में भक्तिभाव, उल्लास और सांस्कृतिक रंग देखने को मिला। सी राजेश्वरी ने बताया तेलुगु समाज की इस परंपरागत संक्रांति उत्सव ने न केवल सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त किया, बल्कि क्षेत्र में आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश भी दिया। श्रीजा उप्पल , ए अरुणा, सत्तात्मा, एन सत्यवती, सरिता उप्पल, नामपल्ली कविता अन्य स्थानीय लोगों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी बताया।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर की आदया श्रीवास्तव बनीं जूनियर मिस इंडिया मिस कॉन्फिडेंट', राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ को दिलाया गौरव

बिलासपुर। बिलासपुर की होनहार बालिका आदया श्रीवास्तव ने जयपुर में आयोजित प्रतिष्ठित जूनियर मिस इंडिया प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 'जूनियर मिस इंडिया ङ्क मिस कॉन्फिडेंट' का खिताब जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम पूरे देश में रोशन किया है। यह भव्य आयोजन जयपुर के पाँच सितारा होटल क्लार्क्स आमेर में संपन्न हुआ, जिसमें देशभर से करीब 180 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में आदया ने अपने उत्कृष्ट वाक्-कौशल, भावपूर्ण कथक नृत्य, आत्मविश्वास से भरे रैंप वॉक और प्रभावशाली व्यक्तित्व से निर्णायकों व दर्शकों को खासा प्रभावित किया। उनके सशक्त प्रदर्शन के चलते उन्हें यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल हुआ। खिताब जीतने पर आदया को ब्यूटी क्वीन क्राउन, सैश, प्रमाण-पत्र और गिफ्ट हैम्पर प्रदान किए गए। तीन दिनों तक चले इस राष्ट्रीय आयोजन में बॉलीवुड अभिनेत्री रीवा अरोड़ा, 'क्रिमिनल जस्टिस' के निर्देशक-निर्माता मनीष सिंह, फैशन विशेषज्ञ उन्नति सिंह, टीवी अभिनेता जयदीप, बॉलीवुड कोरियोग्राफ्र बतिल गांधी, मॉडल सेफ्ली सूद और प्रसिद्ध कवि आलोक श्रीवास्तव सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियां निर्णायक मंडल में शामिल रहीं। साथ ही राजस्थान के अनेक गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में दर्शक भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के अंतिम दौर में देश के 25 प्रमुख शहरों से चयनित प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें आदया का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। उन्होंने इस राष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई। अपनी सफ्लता पर आदया ने कहा कि इस उपलब्धि के पीछे उनके स्वर्गीय दादा-दादी, नाना-नानी, मामा-मामी और माता-पिता का निरंतर आशीर्वाद व सहयोग रहा है। उन्होंने बताया कि कल्चरल राउंड में उन्होंने रायगढ़ घराने की कथक नृत्य शैली की प्रस्तुति दी, जबकि फैशन राउंड में प्रसिद्ध डिजाइनर रीमा माखीजा द्वारा डिज़ाइन की गई पोशाक में रैंप वॉक किया। फाइनल राउंड के लिए उन्हें मिस इंडिया यूनिवर्स रह चुकी नवोनिता लोध ने प्रशिक्षण दिया। आदया ने भविष्य में सीनियर मिस इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छा भी जताई। उल्लेखनीय है कि आदया, रायगढ़ घराने की सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना श्रीमती वासंती वैष्णव की शिष्या हैं और उनके मार्गदर्शन में अपनी शास्त्रीय नृत्य कला को निरंतर निखार रही हैं। क्रांति नगर, बिलासपुर निवासी आदया श्रीवास्तव डीपीएस स्कूल, बिलासपुर की कक्षा सातवीं की छात्रा हैं। वे पूर्व क्रिकेटर एवं वर्तमान में सीएमपीडीआई में विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन एवं प्रशासन) के पद पर कार्यरत आलोक श्रीवास्तव और श्रीमती आँचल श्रीवास्तव की पुत्री हैं। पुत्री की इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर माता-पिता ने गर्व और प्रसन्नता व्यक्त की है।

देशी कट्टा व कारतूस के साथ पकड़ाया पश्चिम बंगाल का आदतन बदमाश

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस तथा आरपीएफ ने पश्चिम बंगाल के आदतन अपराधी को रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से देशी कट्टा व कारतूस बरामद किया है। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को आरपीएफकी टीम को खबर मिली थी कि पश्चिम बंगाल का आदतन अपराधी ट्रेन में सफ्र कर रहा है। इस पर आरपीएफ की टीम ने पश्चिम बंगाल से उसकी जानकारी जुटाई, जिसके बाद संदेही युवक का पीछा करने के पाइंट दिए गए। इस बीच पता चला कि युवक बिलासपुर स्टेशन में देखा गया है। जिसके बाद आरपीएफ की टीम ने पुलिस अफ्सरों को इसकी जानकारी दी। फ्रि पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने कंट्रक्शन कॉलोनी के पास युवक को पकड़ लिया। इस दौरान उसके थैले की तलाशी ली गई, जिसमें कट्टा, कारतूस, 2 मोबाइल के साथ 3 ट्रेन टिकट बरामद हुए। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पालतू पशु दुकानों व डॉग ब्रीडिंग सेंटर का पंजीयन अनिवार्य

बिलासपुर। जिले में संचालित सभी पालतू पशु दुकानों को संचालन दिनांक से 60 दिवस के भीतर तथा डॉग ब्रीडिंग सेंटरों को पशु प्रजनन एवं विपणन नियम 2017 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड में पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है। पालतू पशु दुकान नियम 2018 की कंडिका 2(अ) के अनुसार पालतू पशुओं की श्रेणी में श्वान, बिल्ली, खरगोश, गिनी पिंग, हैमस्टर, मूसक या चूहिया एवं पिंजरा बंद पक्षी (एक्जोटिक रंगीन चिड़िया) शामिल हैं। पंजीयन हेतु आवेदन कार्यालय संयुक्त संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएँ, बिलासपुर में जमा किए जाएंगे, जिन्हें छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड, रायपुर को पंजीयन के लिए प्रेषित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड, रायपुर द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि जिले में संचालित अपंजीकृत पालतू पशु दुकानों एवं डॉग ब्रीडिंग सेंटरों, जिनके द्वारा पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध सीलबंदी की कार्यवाही की जाए।

सुशासन में बदली किसानों की तकदीर

धान खरीदी बनी की पूरी प्रक्रिया सुगम और पारदर्शी

■ सरकार की पारदर्शी व्यवस्था से मजबूत हो रहा अन्नदाता का आत्मविश्वास

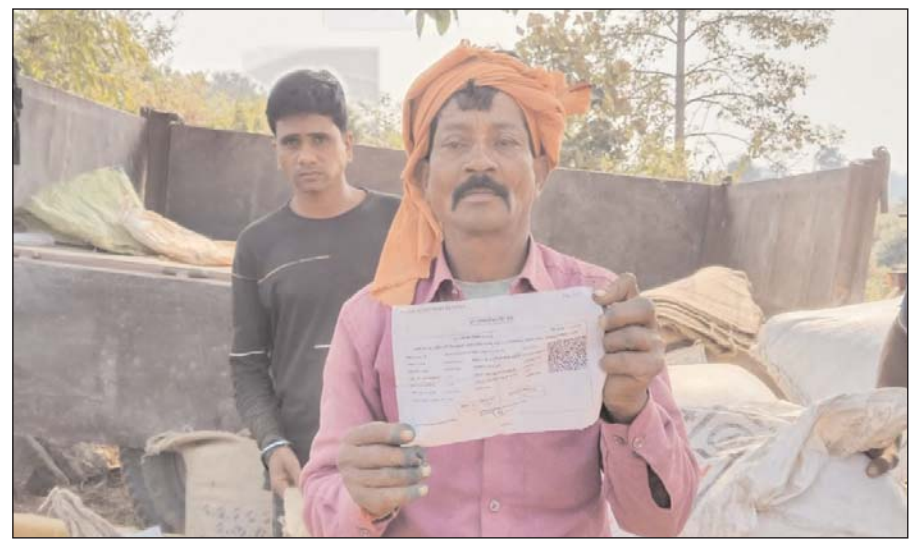

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ के अन्नदाता आज पहले से कहीं अधिक सशक्त, सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर रहा है। किसानों की वर्षों पुरानी समस्याओं को दूर करते हुए राज्य सरकार ने धान खरीदी व्यवस्था प्रक्रिया को सरल, तेज और पूर्णत: पारदर्शी बनाया है। सर्वाधिक समर्थन मूल्य के साथ-साथ सुव्यवस्थित खरीदी व्यवस्था ने किसानों के भरोसे को मजबूत किया है और यही कारण है कि आज खेत से उपार्जन केंद्र तक हर किसान के चेहरे पर संतोष और आत्मविश्वास की झलक दिखाई दे रही है। इसी सुशासन की एक सशक्त मिसाल हैं कोरबा जिले के ग्राम सलीहाभाटा निवासी कृषक श्री कमलेश यादव, जो अपनी मेहनत की उपज लेकर उपार्जन केंद्र भैंसमा पहुंचे। श्री यादव ने पिछले वर्ष के साथ इस वर्ष भी 67 क्विंटल 20 किलोग्राम धान की बिक्री की है। उन्होंने बताया कि इस बार उन्हें अपनी उपज बेचने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। श्री यादव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसानों को उनकी मेहनत का उचित और समय पर मूल्य दिया जा रहा है। उपार्जन केंद्रों में बैठने, उठने और पंजीयन से लेकर भुगतान तक की पूरी व्यवस्था अत्यंत सुव्यवस्थित की गई है। पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी होने के कारण किसी भी प्रकार का भ्रम या अव्यवस्था नहीं है। किसान को केवल अपनी फसल उपार्जन केंद्र तक लानी होती है, उसके बाद हर कार्य आसानी और स्पष्टता के साथ संपन्न हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से किसानों में आत्मविश्वास बढ़ा है और यह विश्वास मजबूत हुआ है कि सरकार वास्तव में उनकी समस्याओं को समझती है और उनके हित में काम कर रही है। इससे खेती अब एक सुरक्षित और लाभकारी कार्य बनती जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार के किसान हितैषी फैसलों से हजारों किसानों की जिंदगी में बदलाव आया है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार भविष्य में भी किसानों के साथ इसी तरह खड़ी रहेगी और उन्हें आत्मनिर्भर व खुशहाल बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करती रहेगी। छत्तीसगढ़ सरकार का प्रयास प्रदेश के अन्नदाताओं को सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि की ओर ले जाने की मजबूत आधारशिला बन रहा है, जिससे सुशासन में समृद्ध किसान का संकल्प साकार हो रहा है।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक संपन्न हुआ.....

■ एससी-एसटी अत्याचार निवारण प्रकरणों की समीक्षा

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। यह समिति अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत गठित की गई है। बैठक में अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। पीड़ितों को समयबद्ध न्याय एवं राहत सुनिश्चित करने पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में जिले में अधिनियम के अंतर्गत पंजीबद्ध प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि कुल 16 प्रकरणों में कुल 14 लाख 80 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों में निष्पक्ष, संवेदनशील एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अधिकारों की सुरक्षा एवं सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दिशा में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री संजय चंदेल, पुलिस विभाग, सामाजिक न्याय विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

अनूपपुर यार्ड में बीके-61 फाटक पर रोड ओवर ब्रिज निर्माण में महत्वपूर्ण उपलब्धि

■ 57.40 मीटर लंबे एवं 360 टन वजनी बो स्ट्रिंग गर्डर की सफ्ल लांचिंग

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के अंतर्गत अनूपपुर यार्ड में स्थित समपार संख्या बीके-61 पर निर्माणाधीन रोड ओवर ब्रिज के कार्य में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। परियोजना के तहत 57.40 मीटर लंबाई एवं लगभग 360 टन भार वाले आधुनिक बोङ्कस्ट्रिंग गर्डर की उच्च क्षमता वाली विंच मशीन की सहायता से सफ्लतापूर्वक लांचिंग की गई। यह रोड ओवर ब्रिज बहु-रेल लाइनों के ऊपर से सड़क यातायात को सुरक्षित, सुचारु एवं निर्बाध रूप से संचालित करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है। रेल परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करने हेतु अत्याधुनिक निर्माण तकनीकों का उपयोग किया गया, जिससे गर्डर लांचिंग का यह जटिल कार्य बिना दीर्घकालिक रेल अवरोध के संपन्न किया जा सका। गर्डर लांचिंग से पूर्व रोलिंग बीम की स्थापना की गई, तत्पश्चात नियंत्रित एवं चरणबद्ध प्रक्रिया के अंतर्गत विंच मशीन की सहायता से बोङ्कस्ट्रिंग गर्डर को अत्यंत सटीकता एवं सुरक्षित ढंग से अपने निर्धारित स्थान पर स्थापित किया गया। यह तकनीक सक्रिय रेल पटरियों के ऊपर निर्माण कार्य के दौरान संरचनात्मक स्थिरता, उच्च स्तर की सुरक्षा एवं इंजीनियरिंग दक्षता सुनिश्चित करती है। यह संपूर्ण कार्य दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश तथा मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के कुशल मार्गदर्शन में, रेलवे के अनुभवी अभियंताओं की कड़ी निगरानी तथा सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों के पूर्ण अनुपालन के साथ सफ्लतापूर्वक सम्पन्न किया गया।

राज्य मानसिक अस्पताल के जीवनदीप... समिति की बैठक में लिये गये कई निर्णय

बिलासपुर। संभागायुक्त सुनील जैन की अध्यक्षता में राज्य मानसिक चिकित्सालय सेन्दरी के जीवनदीप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मानसिक मरीजों की सुविधा के लिए कई निर्णय लिए गये। श्री जैन ने कहा कि पागलपन भी एक बीमारी है और इसका इलाज किया जा सकता है। इस संबंध में समाज में जनजागरूकता फैलाने के लिए एक कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से चर्चा कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं का भी जायजा लिया। कलेक्टर संजय अग्रवाल सहित जीवन दीप समिति के सदस्य जिला अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि पिछली मीटिंग में लिये गये निर्णय के अनुसार मानसिक अस्पताल में ओपीडी सुविधा नि:शुल्क किया गया है। प्रति माह इस अस्पताल में 1300 मरीज इलाज कराने पहुंचते है। पिछले एक साल में साढ़े 15 हजार लोगों ने मानसिक रोगों का उपचार करवाया है। इसी प्रकार एक साल में 1344 मरीजों को भर्ती कराकर उनका इलाज किया गया। आय-व्यय की जानकारी में बताया गया कि पिछले अप्रैल 2025 से 6 जनवरी 2026 तक अस्पताल को 2 करोड़ 86 लाख रूपए की आवक हुई है। इसमें से 1.17 करोड़ अस्पताल के कार्यों में खर्च हुई है। लगभग 92 लाख की रकम शेष है। इस राशि को ज्यादा ब्याज देने वाले बैंकों में जमा करने का निर्णय लिया गया। अस्पताल प्रबंधन द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में किये गये मजदूरी भुगतान सहित अन्य जरूरी खर्चे लगभग 9 लाख रूपए की कार्येत्तर स्वीकृति भी प्रदान की गई। बैठक में एजेण्डा के अनुरूप अस्पताल के लिए वाहन सुविधा, पानी की आपूर्ति, मनोरोग डॉक्टरों के लिए बैठक कक्ष, परिजन कक्ष, क्लीनिकल प्रशिक्षण शुल्क, भण्डार कक्ष में कूलिंग, वाटर कूलर, शेड आदि की व्यवस्था बाबत् विस्तृत चर्चा कर निर्णय लिया गया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. जेपी आर्या ने पिछली बैठक में लिये गये निर्णय का पालन प्रतिवेदन पढ़कर सुनाया।

जिले में पहली बार बेलतरा महोत्सव का भव्य आयोजन.....

■ 16 से 18 जनवरी तक चलने वाले सांस्कृतिक आयोजन में जुटेंगे प्रदेश के दिग्गज कलाकार

■ समापन महोत्सव में शामिल होंगे उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला के प्रयासों से पहली बार तीन दिवसीय भव्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। नगपुरा मेला मैदान ग्राम पंचायत कड़री में 16 से 18 जनवरी तक आयोजित यह कार्यक्रम संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन व बेलतरा महोत्सव आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में होगा। महोत्सव का भव्य शुभारंभ 16 जनवरी संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल करेंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर बेलतरा श्री सुशांत शुक्ला, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने लोक गायक श्री चंदन यादव एवं लोक यायिका श्रीमती अल्का चन्द्राकर शामिल होंगी। महोत्सव के दूसरे दिन 17 जनवरी 2026 को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की निरंतरता बनी रहेगी। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अध्यक्षता बिल्हा विधायक श्री धरम लाल कौशिक करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप बेलतरा श्री सुशांत शुक्ला, क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी, जिला सहकारी मर्यादित बैंक के अध्यक्ष सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। शाम 6 बजे से इस दिन मंच पर लोक गायक श्री अनुराग शर्मा एवं प्रसिद्ध गायिका शहनाज अख्तर अपनी प्रस्तुतियां देंगे। महोत्सव के समापन 18 जनवरी को अवसर पर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव शामिल होंगे। अध्यक्षता तखतपुर विधायक श्री धरमजीत सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहेंगे। समापन संध्या में लोकगायक श्री अनुज शर्मा तथा लोक गायक श्री हिलेन्द्र सिंह ठाकुर की प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहेंगी। तीनों दिनों तक महोत्सव परिसर में लोकनृत्य, लोकगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ पारंपरिक हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाएंगे। बाँस व मिट्टी से बने शिल्प, पारंपरिक वस्त्र तथा पारंपरिक व्यंजन दर्शकों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपरा से परिचित कराएंगे। आयोजन का उद्देश्य स्थानीय कलाकारों को मंच देना, ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा आमजन को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना है। संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन ने जिले वासियों व क्षेत्रीय निवासियों से अपील की है।

सफलता की कहानी-किसान हितैषी योजनाओं से समृद्ध और खुशहाल बन रहे ग्रामीण किसान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जारी है।जिले के धान खरीदी केंद्रों में बड़ी संख्या में किसान अपना धान बेचने पहुंच रहे हैं। संग्रहण केंद्र पहुंचे किसानों ने खरीदी व्यवस्था को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि धान खरीदी के लिए सरकार द्वारा सभी सुविधाओं के इंतजाम किए गए हैं। ग्राम सेमरताल के किसान शिवकुमार धीवर ने बताया कि वे 4 एकड़ भूमि में धान की फसल लगाते है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत मिलने वाली सहायता राशि से खाद-बीज लेने में सहूलियत हो जाती है। केंद्र एवं राज्य शासन की किसान हितैषी अन्य योजनाओं से भी किसानों को आर्थिक मजबूती मिल रही है। श्री धीवर ने कहा कि वह 146 कट्टी धान विक्रय करने केंद्र पहुंचे है। धान खरीदी केंद्र में सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं, तौल सही तरीके से हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में बारदाने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। सही तौल, व्यवस्थित खरीदी, और पारदर्शी स्पष्ट प्रक्रिया के साथ प्रशासन की सघन निगरानी से किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य समय पर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को भुगतान भी शीघ्रता से हो रहा है। श्री धीवर ने कहा कि उन जैसे छोटे किसानों के लिए सरकारी योजनाएं किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में बनाई गई योजनाओं से किसानों का जीवन समृद्ध और खुशहाल बन रहा है।

पालतू पशु दुकानों व डॉग ब्रीडिंग सेंटर का पंजीयन अनिवार्य

बिलासपुर। जिले में संचालित सभी पालतू पशु दुकानों को संचालन दिनांक से 60 दिवस के भीतर तथा डॉग ब्रीडिंग सेंटरों को पशु प्रजनन एवं विपणन नियम 2017 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड में पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है। पालतू पशु दुकान नियम 2018 की कंडिका 2(अ) के अनुसार पालतू पशुओं की श्रेणी में श्वान, बिल्ली, खरगोश, गिनी पिंग, हैमस्टर, मूसक या चूहिया एवं पिंजरा बंद पक्षी (एक्जोटिक रंगीन चिड़िया) शामिल हैं। पंजीयन हेतु आवेदन कार्यालय संयुक्त संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएँ, बिलासपुर में जमा किए जाएंगे, जिन्हें छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड, रायपुर को पंजीयन के लिए प्रेषित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड, रायपुर द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि जिले में संचालित अपंजीकृत पालतू पशु दुकानों एवं डॉग ब्रीडिंग सेंटरों, जिनके द्वारा पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध सीलबंदी की कार्यवाही की जाए। जिले में संचालित अपंजीकृत पालतू पशु दुकानों एवं डॉग ब्रीडिंग सेंटर संचालकों को 5 दिवस के भीतर कार्यालय संयुक्त संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएँ, पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग में संपर्क कर पंजीयन हेतु विधिवत आवेदन प्रस्तुत करना होगा।

भगवान शिव को समर्पित मासिक शिवरात्रि का व्रत

भगवान शिव को समर्पित मासिक शिवरात्रि का व्रत हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को रखा जाता है। मासिक शिवरात्रि पर भगवान शिव और माता-पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। अब साल 2026 का पहला मासिक शिवरात्रि का व्रत रखा जाएगा। माघ माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मासिक शिवरात्रि का व्रत रखा जाएगा। माघ माह का मासिक शिवरात्रि व्रत किस दिन पड़ रहा है चलिए पंचांग के जरिए व्रत की सटीक तारीख जानते हैं।

मासिक शिवरात्रि 2026

माघ माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 16 जनवरी 2026, शुक्रवार की रात 10 बजकर 21 मिनट से 18 जनवरी 2026, रविवार की देर रात 12 बजकर 3 मिनट तक रहेगी। मासिक शिवरात्रि की पूजा के लिए निशिता मुहूर्त मान्य होता है। इसके अनुसार, मासिक शिवरात्रि का व्रत 16 जनवरी 2026 दिन शुक्रवार को रखा जाएगा। इस दिन निशिता मुहूर्त रात 12 बजकर 4 मिनट से रात 12 बजकर 58 मिनट तक रहेगा। पूजा के लिए निशिता मुहूर्त 54 मिनट के लिए प्राप्त हो रहा है।

मासिक शिवरात्रि पूजा विधि

मासिक शिवरात्रि के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। साफ वस्त्र पहनें। घर के मंदिर की सफाई करें और शिवलिंग का दूध, जल, शहद, घी से अभिषेक करें। आप शिवालय में जालकर शिवलिंग पर दूध और जल से अभिषेक कर सकते हैं। शिललिंग पर बिल्वपत्र, धतूरा, सफेद फूल अर्पित करें। भगवान शिव को खीर का भोग लगाएं और मां पार्वती को 16 श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें। ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। मासिक शिवरात्रि की कथा का पाठ करें। शिव चालीसा का पाठ करें और शिव जी की आरती करें। रात के समय निशिता मुहूर्त में भगवान शिव की पूजा करें। आप मासिक शिवरात्रि का व्रत कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।
इससे आपके जीवन से दुख और कष्ट दूर होंगे। इस दिन सात्विक भोजन करें और तामसिक चीजों से दूरी बनाएं।

मंदिर से जुड़े वास्तु नियम

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। इसमें मंदिर से जुड़े नियम के बारे में विस्तार से बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि वास्तु के नियम का पालन न करने से साधक को जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मंदिर में कुछ चीजों को रखने से साधक को पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है। साथ ही घर में मां लक्ष्मी वास नहीं करती हैं। ऐसे में आइए इस आर्टिकल आपको बताते हैं कि मंदिर में किन चीजों को रखने से बचना चाहिए।

कटी-फटी धार्मिक पुस्तक

मंदिर में भूलकर भी कटी-फटी धार्मिक पुस्तकों को नहीं रखना चाहिए। इससे वयक्ति के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

टूटी मर्तियां

मंदिर में भूलकर भी देवी-देवताओं की टूटी हुई मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, टूटी हुई मूर्तियों की पूजा करने से नकारात्मकता बढ़ती है और साधक को जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही पूजा का फल नहीं मिलता। ऐसे में टूटी हुई मूर्तियां को पवित्र नदी में बहा दें।

पितरों की तस्वीर

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि मंदिर में पितरों की तस्वीर भी नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि शास्त्रों में पितरों और देवताओं का स्थान अलग-अलग बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में पितरों की मूर्ति लगाने से घर में अशांति का माहौल हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूर्वजों की तस्वीर को घर की दक्षिण दिशा में लगाना चाहिए।

सूखे हुए फूल

रोजाना पूजा के दौरान प्रभु को फूल अर्पित किए जाते हैं और अगले दिन सुबह उन फूलों को प्रभु के दौरान श्रृंगार के दौरान हटा दिया जाता है, लेकिन उन फूलों को मंदिर में न रखें। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में सूखे हुए फूलों को रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसलिए सूखे हुए फूलों को पवित्र नदी में बहा दें या फिर किसी पेड़ के नीचे दबा दें।

कीली चीजें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मंदिर में कैंची और चाकू जैसी नुकीली चीजों को नहीं रखना चाहिए, क्योंकि नुकीली चीजों को नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए वास्तु शास्त्र में वर्णित नियम का पालन करने की सलाह दी जाती है।

सुबह की ये 5 सबसे बुरी आदतें सेहत के लिए है खतरनाक

पुराने जमाने में मोबाइल या कॉफी-चाय का उतना ट्रेंड नहीं था, तब लोग सुबह 4-5 बजे उठकर व्यायाम करते थे और फिर दातुन करने के बाद नाश्ता कर लेते थे। उस जमाने के लोग आज भी स्वस्थ जीवन जी रहे हैं और कई लोगों की उम्र 80 से ऊपर रहती है। लेकिन आजकल मोबाइल, चाय, कॉफी जैसी चीजों ने सेहत को खतरे में डाल दिया है और हमने इन खराब आदतों को आसानी से अपना लिया है। सुबह की कुछ ऐसी आदतें हैं, जो अगर आप अपनाते हैं, तो अपने दिल, दिमाग, सेहत को खराब कर रहे हैं। कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर का कहना है कि इन आदतों को आज से ही छोड़ना शुरू करें, चलिए इनके बारे में बताते हैं।

ब्रेकफास्ट स्किप-

ज्यादातर युवा आजकल बिना नाश्ता किए ही ऑफिस भाग जाते हैं या फिर उनके नाश्ते में हेल्दी कुछ नहीं होता। चाय पी, दो बिस्किट खा लिए हो गया नाश्ता। ये नाश्ता किसी काम का नहीं है और न ही इससे आपका दिमाग एक्टिव होता है और ही सेहत को फायदा। सुबह के नाश्ते में आप पराठा, ओट्स, दलिया, स्प्राउट्स, स्मूदी वगैरह खाए-पिएं, तो अच्छा है। नाश्ता स्किप करना खराब आदत है, इससे पूरे दिन शरीर

थकान से भरा रहता है और सीधा हैवी लंच करने से पेट खराब होता है।

मोबाइल स्क्रॉलिंग-

आजकल हर किसी की आदत है, उठते ही मोबाइल चेक या स्क्रॉलिंग करना। सुबह उठते ही ब्लू लाइट वाली स्क्रीन चेक करने से आंखों की रोशनी पर बुरा असर होता है और साथ ही दिमाग पर भी। अगर आपने सुबह कोई ऐसी खबर देख ली, जो अच्छी नहीं है तो दिल भी घबरा जाता है। इसलिए सुबह उठते ही मोबाइल न छुएं।

चाय या कॉफी-

सुबह उठे बेड पर ही चाय या कॉफी मिल गई, खाली पेट पीली। खाली पेट कैफीन का सेवन आपको बीमार कर सकता

है। चाय या कॉफी पीने से आपका पेट खराब हो सकता है, दिमाग पर असर होता है और कैफीन ब्लड प्रेशर भी बढ़ा सकता है। चाय या कॉफी आप नाश्ता करने के बाद ही पिएं या कुछ हैवी खाते हुए पिएं।

अलार्म पर उठना-

आजकल लोग एक-दो नहीं कई अलार्म खुद को जगाने के लिए लगाते हैं। अगर आप पहले अलार्म में ही चौंककर उठकर बैठ रहे हो, तो गलत है। अलार्म सुनने पर चौंककर उठने पर हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है। तुरंत उठकर किसी भी काम के लिए बिल्कुल भी न बैठें बल्कि थोड़ा सा स्ट्रेचिंग करें या रूम वॉक कर लें।

इग्नोर वॉटर एंड सनलाइट-

सनलाइट- अगर आप सुबह उठते ही खुद को हाइड्रेट कर लेते हैं, तो शरीर को काफी फायदा होता है। इससे आपका दिल-दिमाग भी बेहतर होता है। सुबह उठकर नॉर्मल या गुनगुना पानी पीने की आदत डालें और अगर आपको कही से भी धूप मिल रही है, तो 5 मिनट के लिए सनलाइट जरूर लें। ये शरीर के लिए अच्छा है और इससे विटामिन डी मिलेगा।

ठंड में रोटी 1-2 घंटे में ही हो जाती है टाइट? ये ट्रिक आजमाएं

ठंड के मौसम कितनी भी नरम रोटी क्यों न बना लो, लेकिन कुछ देर बाद कड़क हो ही जाती हैं, ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो हम आपके लिए कुछ शानदार टिप्स लेकर आए हैं।

कड़क हो जाती हैं रोटियां-

ठंड के मौसम में गरम-गरम चीजों को खाने का मजा कुछ और ही है, जैसे गरम-गरम रोटियां. हालांकि हम में से कई लोगों के पास टाइट में होता है, जिसके चलते वो इन्हें बनाकर रख लेते हैं और अपने लंच या डिनर के समय खाते हैं।

ठंड में बढ़ जाती है परेशानी-

ऐसे में जब हम इन्हें कुछ समय बाद खाने बैठते हैं तो ये कड़क और टूटने लगती हैं. खासकर ऑफिस, स्कूल-कॉलेज जाने वाले लोगों और जिनके घर में खाना बनाने वाली मेड होती है, उन्हें यह समस्या सबसे ज्यादा परेशान करती है।

कुछ ट्रिक्स आएंगी काम-

इसके कारण कई बार ऐसी ठंडी-कड़क रोटियां फेंकनी पड़ती हैं, अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो घबराने की कोई जरूरत नहीं. कुछ टिप्स को अपनाकर आपकी रोटियां पूरे दिन सॉफ्ट बनी रह सकती हैं।

सेहतमंद जीवन के लिए सफेद तिल फायदेमंद

सफेद तिल को भारतीय रसोई और आयुर्वेद- दोनों में खास महत्व दिया गया है। स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ यह छोटे से बीज सेहत के लिए बड़े फायदे लेकर आता है। प्राचीन समय से आयुर्वेद में सफेद तिल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता रहा है, क्योंकि इसमें कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर और दिमाग दोनों को मजबूती प्रदान करते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब लोग कमजोरी, थकान, पाचन और इम्युनिटी से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तब सफेद तिल एक आसान और प्राकृतिक उपाय बनकर सामने आता है।
रोजाना सिर्फ एक चम्मच सफेद तिल को डाइट में शामिल करना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद मिनरल्स, फाइबर और हेल्दी फैट्स शरीर की कई जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं। यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स भी सफेद तिल को संतुलित आहार का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

वजन कंट्रोल में मददगार

फाइबर और प्रोटीन से भरपूर सफेद तिल पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं। इससे बार-बार भूख नहीं लगती और वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

हड्डियों को देता है मजबूती

सफेद तिल कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत माना जाता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं का खतरा कम होता है। यह जोड़ों के दर्द में भी राहत देता है, खासकर बढ़ती उम्र में तिल का सेवन काफी फायदेमंद साबित होता है।

स्किन और बालों की खूबसूरती बढ़ाए

सफेद तिल में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन-ई पाए जाते हैं, जो त्वचा को नमी देने और झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही यह बालों को जड़ों से मजबूत बनाता है और झड़ने की समस्या को कम करता है। तिल के तेल का इस्तेमाल भी स्किन और हेयर केयर में बेहद लाभकारी माना जाता है।

पाचन तंत्र को रखे दुरुस्त

फाइबर से भरपूर सफेद तिल पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। यह कब्ज की समस्या से राहत दिलाते हैं और पेट को साफ रखने में मदद करते हैं। रोजाना तिल खाने से पाचन क्रिया बेहतर रहती है और गैस जैसी परेशानियां कम होती हैं।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

सफेद तिल में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है और हार्ट डिजीज के खतरे को कम करता है। साथ ही ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बनाता है।

शरीर को देता है भरपूर एनर्जी

प्रोटीन, आयरन और मैग्नीशियम जैसे तत्वों से भरपूर सफेद तिल शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह थकान और कमजोरी को दूर कर दिनभर एक्टिव बनाए रखने में मदद करते हैं। नियमित सेवन से स्टैमिना भी बढ़ता है।

डायबिटीज कंट्रोल में सहायक

सफेद तिल में पाया जाने वाला मैग्नीशियम ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करता है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए लाभकारी माना जाता है और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

बहुत से लोग इसके फ़ायदों के बारे में तो जानते हैं, लेकिन इसके संभावित नुकसानों पर ध्यान नहीं देते। गलत समय पर या जरूरत से ज्यादा मूली खाने से पेट, गैस या दूसरी परेशानियां हो सकती हैं। ऐसे में ये जानना जरूरी हो जाता है कि मूली कब और कितनी मात्रा में खानी चाहिए। इस लेख में हम मूली से जुड़े कुछ अहम पहलुओं पर नजर डालेंगे, ताकि आप समझदारी से इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना सकें।

मूली को दोपहर के भोजन के साथ खाना सबसे बेहतर

रोज मूली खाने के 10 गजब के फायदे

पाचन को बनाए दुरुस्त
मूली में भरपूर फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को मजबूत करता है। कब्ज की परेशानी कम होती है और पेट साफ व हल्का महसूस करता है।

इम्यूनिटी को दे ताक़त
विटामिन-C से भरपूर मूली सर्दी-जुकाम से बचाने में मदद करती है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है।

डायबिटीज में फायदेमंद
मूली का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। ये इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में मदद करती है, इसलिए शुगर के मरीजों के लिए अच्छी मानी जाती है।

ब्लड प्रेशर को रखे संतुलित
पोटैशियम से भरपूर मूली रक्त नलिकाओं को आराम देती है और बीपी कंट्रोल रखने में सहायक होती है।

त्वचा और बालों की दोस्त
मूली में मौजूद पानी और पोषक तत्व त्वचा को हाइड्रेट रखते हैं, जिससे चेहरे पर नेचुरल चमक आती है।

लिवर और पीलिया में सहायक
आयुर्वेद में मूली को लिवर की सेहत के लिए उपयोगी माना गया है। ये पीलिया जैसी समस्याओं में भी मददगार हो सकती है।

किडनी को रखे साफ़
मूली एक प्राकृतिक डिटॉक्स सब्जी है। ये पेशाब के जरिये शरीर से गंदगी बाहर निकालकर किडनी को स्वस्थ रखती है।

वज़न घटाने में मददगार
कम कैलोरी और ज्यादा फाइबर के कारण मूली पेट को देर तक भरा रखती है, जिससे ओवरईटिंग नहीं होती।

सूजन और जोड़ों के दर्द में राहत
मूली में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन और गठिया के दर्द को कम करने में सहायक होते हैं।

कैंसर से बचाव में भूमिका
मूली में पाए जाने वाले खास यौगिक शरीर में कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने की रफ्तार को धीमा कर सकते हैं।

जैसे ही सर्दियों का मौसम शुरू होता है, बाज़ार में सफेद, लंबी और कुरकुरी मूली हर जगह दिखाई देने लगती है। पराठे से लेकर सलाद और स जी तक, मूली सर्दियों की थाली का अहम हिस्सा बन जाती है। इसका स्वाद जितना चटपटा होता है, उतनी ही इसे सेहत के लिए फायदेमंद स जी माना जाता है। आयुर्वेद से लेकर आधुनिक पोषण विज्ञान तक, मूली को पाचन, इम्यूनिटी और शरीर की सफाई से जोड़कर देखा जाता है। यही वजह है कि कई लोग इसे रोजाना अपनी डाइट में शामिल करते हैं। हालांकि, हर चीज की तरह मूली के साथ भी संतुलन जरूरी है।

चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवर्स द्वारा जागरुकता का संदेश

नकिड्स किड्सकैन, द नेशनल सोसायटी फॉर चेंज फॉर चाइल्डहुड कैंसर के सौजन्य साल की औसत आयु के 15 चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवर (बचपन में कैंसर से जंग जीत चुके लोग) रविवार, 18 जनवरी को टाटा मुंबई मैराथन (टीएमएम) में हिस्सा लेंगे। लगातार 16वें साल कैनकिड्स इस ऐतिहासिक मैराथन में हिस्सा लेगा। इसमें चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवर, कैनकिड्स की लीडरशिप टीम, कॉरपोरेट पार्टनर और वॉलंटियर्स शामिल होंगे। अलग-अलग वर्ग के 15 चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवर्स की यह टीम ऐसे लोगों के लिए मजबूत संदेश देने वाली है, जो अभी इस गंभीर बीमारी से लड़ रहे हैं। इन सर्वाइवर्स में से एक हैं विकास। उन्हें बचपन में रेटिनोब्लास्टोमा हुआ था, जिससे उनकी एक आंख की रोशनी चली गई।कई सर्जरी और कई राज्यों में घूमने के बाद उन्हें अंतत: मुंबई में इलाज मिला, जिसने उनका जीवन बचाया। पूरे इलाज के दौरान कैनकिड्स की तरफ से उन्हें समर्थन मिला था और अब वह कैनकिड्स मुंबई कैनशाला के साथ मिलकर काम करते हैं।

इलाज के दौरान बच्चों को उनकी पढ़ाई जारी :

इलाज के दौरान बच्चों को उनकी पढ़ाई जारी रखने में मदद करते हैं। टीएमएम 2026 में कैनकिड्स की तरफ से एक विजुअल ट्रिब्यूट भी होगा। रनर्स अपने हाथों में संदेश लिखी तख्तियां लेकर दौड़ेंगे। इनमें एक बच्चे की तस्वीर और उसका सपना लिखा होगा, जैसे वह डॉक्टर, एस्ट्रोनॉट, गायक, अध्यापक या सैनिक बनना चाहता है। जहां एक तरफ ये तख्तियां उम्मीदों की एक चलती-फिरती गैलरी हैं, वहीं कैनकिड्स जोन, एक शानदार होप टाइल्स वॉल – 'सपनों से भरी टाइल्स का एक मोजेक' – इस बात की याद दिलाएगा कि यह दौड़ क्यों जरूरी है। रनर्स द्वारा फहराया गया एक बड़ा होप टाइल्स बैनर कैंसर से पीड़ित हर बच्चे को फिर से सपने देखने का मौका देने की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा।

कैनकिड्स की लीडरशिप टीम मैराथन की तैयारी :

कैनकिड्स की लीडरशिप टीम मैराथन की तैयारी से लेकर रेस के दिन तक सर्वाइवर्स और सपोर्टर्स के साथ जुड़ी रहेगी। संस्थान के विजन के बारे में बात करते हुए कैनकिड्स की संस्थापक, चेयरपर्सन और कैंसर सर्वाइवर पूनम बगई ने कहा: "हमारा मिशन भारत में कैंसर से पीड़ित हर बच्चे के लिए एक इंटीग्रेटेड इलाज और देखभाल का मॉडल बनाकर इलाज, शिक्षा और सरकार के बीच के गैप को खत्म करना है। टाटा मुंबई मैराथन इस सफर को मजबूत बनाता है। यह हमें एक राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म देता है, जहां सर्वाइवर्स रास्ता दिखाते हैं और हमें याद दिलाते हैं कि उम्मीद डर से ज्यादा मजबूत है।

कैंसर के बारे में देशभर में जागरूकता बढ़ाना :

"टीएमएम 2026 के जरिये कैनकिड्स का मकसद बच्चों को होने वाले कैंसर के बारे में देशभर में जागरूकता बढ़ाना, जल्दी जांच को बढ़ावा देना, इलाज तक पहुंच बढ़ाना और पूरे भारत में इलाज, पोषण, शिक्षा, काउंसलिंग, पैलिएटिव केयर और सर्वाइवर एम्पावरमेंट के अपने होलिस्टिक मॉडल को सपोर्ट करना है।

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा ने किया 'लोकतंत्र प्रहरी' और एसआर हॉस्पिटल का संयुक्त कैलेंडर 2026 का भव्य विमोचन

रायपुर/दुर्ग/ विशेष संवाददाता। छत्तीसगढ़ पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा ने राजधानी रायपुर में एक सादगीपूर्ण समारोह में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप और एसआर हॉस्पिटल एंड कॉलेज, दुर्ग के संयुक्त वार्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन किया।

इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा ने दोनों संस्थाओं द्वारा समाज कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, मीडिया और स्वास्थ्य सेवाएं समाज के दो मजबूत स्तंभ हैं। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की निष्पक्ष पत्रकारिता और एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज द्वारा प्रदान की जा रही उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं का यह संयुक्त प्रयास समाज के लिए अनुकरणीय है।

ऐसे सहयोग से समाज में जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होता है, जो लोकतंत्र को और मजबूत बनाता है।

कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा ने दोनों संस्थानों के भविष्य के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। साथ ही, उन्होंने प्रदेशवासियों, लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप और एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के सभी सदस्यों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एसआर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के चेयरमैन श्री संजय तिवारी, श्री विष्णु पाठक,डॉ. कमल किशोर शर्मा, श्री रमाशंकर साहनी सहित अन्य उपस्थित थे।

अंत में चेयरमैन श्री संजय तिवारी ने पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके मार्गदर्शन को संस्थान के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

यह संयुक्त कैलेंडर न केवल समय प्रबंधन का साधन है, बल्कि समाज सेवा, पत्रकारिता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में दोनों संस्थाओं की साझेदारी का प्रतीक भी है।

छत्तीसगढ़ के विकास और समाज कल्याण के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहें, यही कामना है।

मेयर और कमिश्नर का दौरा, सफाई और निर्माण को लेकर दिए निर्देश

महापौर और आयुक्त ने शिक्षक नगर एवं नेहरू नगर में किये पैदल भ्रमण

राजनांदगांव। वार्ड निरीक्षण की कड़ी में महापौर मधुसूदन यादव, निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा सहित उनकी टीम के साथ शिक्षक नगर में पैदल भ्रमण कर वार्डवासियों से मिल साफ -सफाई व पानी के संबंध में चर्चा की। चर्चा के दौरान पानी निकासी की समस्या पर उन्होंने उप अभियंता रोमाली शेण्डे से प्रक्रिया पूर्ण कर जल्द नाली निर्माण कराने कहा। उन्होने नाली निर्माण के बीच आ रही निजी भूमि के लिए भूस्वामी से चर्चा कर सहयोग करने कहा। जिसपर भूस्वामी ने नाली बनाने सहमति दी। महापौर यादव ने वार्डवासियो से कहा कि स्वच्छता बनाए रखने सहयोग प्रदान करे, कचरा डोर टू डोर कचरा संग्रहण गाडी में ही डाले।

निरीक्षण के दौरान महापौर यादव नेहरू नगर पहुंच कालोनी में घुम कालोनीवासियों से रूबरू हुए। उन्होंने उनसे साफ -सफाई के बारे में जानकारी ली। स्वच्छता निरीक्षक दीपक श्रीवास्तव से कालोनी के सभी ओर समुचित साफ -सफाई कराने निर्देशित किए। इसके अलावा अधोसंरचा मद अंतर्गत स्वीकृत राशि 8 लाख रूपये से उद्यान निर्माण के लिए वार्ड में भूमिपूजन किए। महापौर ने कहा कि जल्द उद्यान का निर्माण किया जाएगा ताकि इसका लाभ कालोनीवासी उठा सके। उन्होंने निर्माणाधीन सामुदायिक भवन के बंद कार्य को संबंधित ठेकेदार से चालू कराने उप अभियंता मुनेन्द्र साठिया को निर्देशित किए। इसी प्रकार रोड नाली निर्माण की मांग पर प्राक्कलन तैयार करने कहा।

आयुक्त विश्वकर्मा ने संबंधित उप अभियंता से कहा कि उद्यान निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ करा गुणवत्ता के साथ समय सीमा मे पूर्ण करावे। उन्होंने निर्माण कार्य की सत्त मानिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने वार्ड प्रभारी से कहा कि सुबह उपस्थिति के बाद निर्धारित समय तक सफाई कर्मी कार्य करना सुनिश्चित करे, सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो इसका ध्यान रखे। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य एवं तकनीकि अमला उपस्थित था।

मरार पटेल समाज कुम्हारी राज द्वारा आयोजित सांकरा में शाकम्भरी महोत्सव हुआ आयोजित

अम्लेश्वर। तीसगढ़ कोसरिया मरार पटेल समाज कुम्हारी राज द्वारा आयोजित सांकरा में शाकम्भरी महोत्सव अधिवेशन में नीलम चंद्राकर, जिला पंचायत सभापति दुर्ग, बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर कीर्ति नायक (जनपद अध्यक्ष पाटन), दयानन्द सोनकर (नगर पालिका अध्यक्ष अमलेश्वर), राजेश चंद्राकर (सांसद प्रतिनिधि पाटन), रवि सिंगौर(सरपंच सांकरा) सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, समाज की एकता और विकास के लिए चर्चा हुई। सभी ने समाज के उत्थान और युवा पीढ़ी के लिए शिक्षा-रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया।

शहर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया

अवैध प्लाटिंग, कांग्रेसी बोले...खानापूर्ति नहीं चलेगी, प्लॉटों की बिक्री पर लगाओ बैन

नगर निगम और राजस्व विभाग के अधिकारियों की भूमिका भी जांची जाए

राजनांदगांव। शहर और आउटर इलाकों में बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है, नगर निगम और राजस्व विभाग इस पर कार्रवाई कर रहा है। लेकिन इस कार्रवाई को नाकाफी बताते हुए शहर कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को कलेक्टर जितेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपा। साथ ही कांग्रेसियों ने यह भी कहा कि गिनती की कार्रवाई न की जाए, इसमें जिन-जिन स्थानों पर अवैध तरीके से काम किया जा रहा है। वहां बुलडोजल चलाया जाए और जमीन की बिक्री पर रोक लगाई जाए। इसके अलावा नगर निगम और राजस्व अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जाए और उन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि अवैध कॉलोनियों का निर्माण सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है।

नगर निगम, राजस्व विभाग और नगर निवेश विभाग की गंभीर लापरवाही और कथित मिलीभगत के चलते भूमाफिया खुलेआम नियमों को ताक पर रखकर कॉलोनियां खड़ी कर रहे हैं। इन अवैध गतिविधियों से शासन को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की जीवनभर की पूंजी दांव पर लग रही है। मुदलियार ने मांग की कि नागरिकों के हित में अवैध कॉलोनियों की लोकेशन और भूमि मालिकों के नाम सार्वजनिक किए जाएं, ताकि लोग भ्रमित होकर अपनी गाढ़ी कमाई न गंवाएं। नगर निवेश और राजस्व विभाग के जिन अधिकारियों की निगरानी या संरक्षण में यह अवैध कार्य हुआ है, उनकी संलिप्तता की जांच कर शासन को राजस्व क्षति पहुंचाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की जाए।

दोषियों पर प्रकरण दर्ज किया जाए – संतोष पिल्ले

नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने कहा कि अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर दोषी पाए गए कॉलोनाइजरों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाएं। रेरा से अप्रूव्ड कॉलोनियों की भी जांच हो, जहां अनुमति से अधिक रकबे में कॉलोनी विकसित कर नियमों का उल्लंघन किया गया है। साथ ही अवैध कॉलोनियों में नियमों के विरुद्ध भवन अनुज्ञा जारी करने वाले और अवैध रूप से कॉलोनियों का नियमितीकरण कर ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने वाले नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया सीधा आरोप

जितेंद्र मुदलियार ने आरोप लगाया कि सत्ता के संरक्षण में भाजपा से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोग अवैध कॉलोनियों के जरिये आम नागरिकों को ठग रहे हैं। अनुमति प्राप्त बताकर भूखंड बेचे जा रहे हैं, लेकिन बाद में भवन अनुज्ञा, नामांतरण और मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परिवार वर्षों तक दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हो जाते हैं। मानसिक प्रताड़ना और आर्थिक नुकसान झेलना इन परिवारों की नियति बनती जा रही है।

गुरु-शिष्य परंपरा और उपलब्धियों का उत्सवः विज्ञान समूह 2001 का रजत जयंती मिलन समारोह सम्पन्न

पाटन। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलूद के विज्ञान समूह (सत्र 2001) के पूर्व छात्र-छात्राओं द्वारा विद्यालय से जुड़े 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती मिलन एवं सम्मान समारोह का भव्य, गरिमामय एवं ऐतिहासिक आयोजन रविवार, 11 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सेलूद परिसर में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन केवल एक पुनर्मिलन कार्यक्रम न होकर गुरु-शिष्य परंपरा, मित्रता, स्मृतियों और उपलब्धियों का ऐसा प्रेरणादायी संगम रहा, जिसने उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में पूर्व विद्यार्थियों को अपने स्वर्णिम छात्र जीवन की यादें ताज़ा करने का अवसर मिला, वहीं गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान समूह 2001 के पूर्व छात्र-छात्राएं अपने परिवारजनों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। इस अवसर पर विद्यालय को उस समय अपने अनुभव एवं मार्गदर्शन से समृद्ध करने वाली आदरणीय सेवानिवृत्त वरिष्ठ व्याख्याता प्रभा मसीह, तत्कालीन प्राचार्या इंदु मालिक, सेवानिवृत्त प्राचार्या हेमलता धनुषकर, प्राचार्या वीना घोड़ियाल, उच्च वर्ग शिक्षक छाया बंछोर, वर्तमान प्राचार्या स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पियाली सेन, व्याख्याता अंजली चंद्राकर, रेणुका सिंह एवं एन.के. साहू को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन गोपेश साहू द्वारा दिया गया। इसके पश्चात सभी पूर्व छात्र-छात्राओं ने अपने परिवारजनों के साथ परिचय दिया तथा अपने विद्यालयीन जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए वर्तमान सामाजिक एवं व्यावसायिक स्थिति से सभी को अवगत कराया।

एमआईसी बैठक में विकास को मिली रफ्तार, 135 करोड़ के कार्यों को स्वीकृति

सड़क, नाला, जलापूर्ति और पार्किंग जैसे बड़े प्रस्तावों पर लगी मुहर

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की मेयर इन कार्उंसिल (एमआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित सभी एमआईसी सदस्यों की उपस्थिति रही। बैठक में शहर के समग्र विकास को गति देने वाले लगभग 135 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई, जिन्हें शासन को अनुमोदन हेतु भेजा जाएगा। बैठक में अधोसंरचना मद एवं नगरोत्थान योजना अंतर्गत कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें साईस कॉलेज के पास केनाल रोड का निर्माण, धमधा मार्ग से रायपुर नाका अंडरब्रिज तक सड़क चौड़ीकरण, राजेन्द्र पार्क चौक से अंडरब्रिज तक तथा आईएमए चौक से अग्रसेन चौक तक फोरलेन सड़क निर्माण शामिल है।इसके अलावा गुण्डरदेही रोड से पोटिया चौक तक सड़क चौड़ीकरण, नालंदा परिसर पहुंच मार्ग, उरला मार्ग से एसटीपी तक सड़क निर्माण, विभिन्न वार्डों में नाला निर्माण, फिल्टर प्लांट व इंटेकवेल उन्नयन तथा मुख्यमंत्री घोषणा के अनुरूप इंदिरा मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण को भी मंजूरी दी गई। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि इन विकास कार्यों से शहर की यातायात व्यवस्था, जल निकासी और नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। बैठक में 26 जनवरी को उपादान राशि चेक वितरण एवं अनुकंपा नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में एमआईसी सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी एवं निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे। एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चंद्राकर,शेखर चंद्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे,लीलाधर पाल,शशि साहू, नीलेश अग्रवाल, हर्षिका संभव जैन,उपायुक्त मोहेन्द्र साहू,कार्यपालन अभियंता सुश्री वर्मा।

इंदिरा मार्केट में सिंगलयुज प्लास्टिक के खिलाफ निगम की कार्रवाई, 10,500 का जुर्माना

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से व्यापारियों एवं नागरिको को जागरूक किया जा रहा है। इसके बाद भी प्रतिष्ठान एवं फल ठेला वाले प्लास्टिक में सामग्री डालकर विक्रय कर रहे है। प्लास्टिक स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक होता है और नष्ट नहीं होता है, फिर भी इसका उपयोग लगातार किया जा रहा है। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर बाजार विभाग एवं अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में टीम द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुए समझाइस दिया जा रहा है। आज इंदिरा मार्केट क्षेत्र के प्रतिष्ठानों एवं फल ठेला में पहुंचकर जांच किया गया। इनके पास से प्रतिबंधित सिंगल युज प्लास्टिक पाये जाने पर कार्यवाही की गई एवं प्लास्टिक को जप्त किया गया। इन दुकानों पर किया गया कार्यवाही लगभग 5 दुकानों से 10500 रूपये की चालानी कार्यवाही किया गया है।

निगम की कार्रवाई के दौरान मौके पर मांझा जब्त, सन्नी पतंग व सोलंकी स्टोर्स से लिया जुर्माना

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में चाइनीज मांझा के बढ़ते उपयोग और उससे होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नगर निगम एक बार फिर सख्त रुख अपनाने हुए दुकानों में सघन जांच अभियान चलाया गया। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर मांझा रोकथाम के लिए एक संयुक्त टीम का गठन किया आज अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार एवं बाजार सहायक विभाग ईश्वर वर्मा द्वारा जो पूरे शहर में अभियान चलाकर सोलंकी पतंग व सन्नी पतंग जनरेटर में कार्रवाही जांच की इसके अलावा गोदामों में छापामार कार्रवाई करेगी।अन्य दुकानों में चाइना मांझा जांच में नही पाई गई। अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार एवं ईश्वर वर्मा के नेतृत्व में टीम अमला ने जांच कार्रवाही के लिए पहुंचकर सोलंकी पतंग स्टोर्स में मांझा की जांच की। इस दौरान प्रतिबंधित मांझा जब्त किया और तत्काल जुर्माना राशि वसूल किया गया।चाइनीज़ मांझा पर नगर निगम की लगातार कार्रवाई शुरू,मांझा बेचने-भंडारण करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। शहर क्षेत्र अंतर्गत निरन्तर निगम के बाजार विभाग और अतिक्रमण विभाग की संयुक्त टीम अब शहर में घूम-घूमकर चाइनीज मांझा की खरीद-फरोख्त, परिवहन, भंडारण और उपयोग पर निगरानी रखेगी। तथा नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई शुरू की गई है।

आयुक्त ने वैशाली नगर क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों का किया निरीक्षण

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने शांति नगर क्षेत्र का प्रातः भ्रमण किये। भ्रमण के दौरान त्रिकोणा उद्यान, नवीन डामरीकरण रोड, प्रस्तावित सड़क निर्माण सहित साफ-सफाई का मौका निरीक्षण कर जायजा लिये और उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये है।

निगम आयुक्त द्वारा वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रं. 14 शांति नगर क्षेत्र में स्थित त्रिकोणा उद्यान का निरीक्षण किया गया है। उद्यान में साफ-सफाई, सिंचाई एवं प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर कराने कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा एवं उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू को निर्देशित किया गया है। मोहल्ले के उपस्थित नागरिको से उद्यान रखरखाव एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा किये। दिगम्बर जैन मंदिर के समीपस्थ नागरिको एवं मोहल्ले वासियो को सुगम यातायात की सुविधा मिले इस हेतु नया डामरीकरण सड़क निर्माण किया गया है, जिसका अवलोकन आयुक्त द्वारा किया गया है। शिव मंदिर कालोनी में स्थानीय नागरिको द्वारा सड़क बनाने मांग किया गया है। उक्त स्थल पर सड़क निर्माण होना प्रस्तावित है।

जिसका अवलोकन कर आयुक्त ने कार्यवाही पूर्ण कर कार्य कराने निर्देशित किये है। शांति नगर में गली, मोहल्लो का साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश किये है। रिक्त भूमि में लोगो द्वारा अपने घरो का कचरा फेका जाता था, जिसका कायाकल्प करते हुए गार्बेज वेरियेबल प्वाइंट के रूप में पेविंग कर ब्यूटिफिकेशन का कार्य किया गया है। जिससे जगह की खुबसुरती बड़ गई है। उक्त स्थल का शेष बचे हुए भूमि में वेडिंग जोन हेतु उपयोग करने कहा गया है। निगम आयुक्त द्वारा शहर की नागरिकों से अपील किया गया है कि अपने घरों के सामने व्यर्थ का पानी न बहाएं। अनजाने में किए गए आपके इस रोड धुलाई से डामर रोड की मजबूती खत्म होती है और ज्यादातर स्थलों में रोड ध्वस्त हो जाता है जिससे पूरा शहर परेशान होता है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता अर्पित बंजारे, उप अभियंता चंदन निर्मलकर, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुमुद हास्पिटल के तीन कर्मचारियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मामला नाबालिग के डिलीवरी के बाद फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने का

- बोरतलाब पुलिस की कार्रवाई, मामले की विवेचना जारी

राजनांदगांव। नाबालिग की डिलीवरी और उसका फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में बोरतलाब पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ़्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने एक दंपत्ति को अरेस्ट किया था, जिसमें बच्चे को अवैध तरीके से रखा था। उसके द्वारा पुलिस अधिकारियों ने बच्चे को खरीदने की जानकारी भी दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने पहले ही मामला कायम कर लिया है, ज्ञात हो कि प्रकरण में दुष्कर्म का आरोपी अपचारी बालक, दंपत्ति के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। अब विवेचना के बाद आरोपियों को इसमें गिरफ्तार किया जा रहा है। वहीं कुमुद हास्पिटर का आरएमओ डॉ. विजयराज नागवंशी अब भी फरार है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूर्व में नाबालिग से जन्मे बच्चे को अवैध रूप से दत्तक ग्रहण कर अस्पताल स्टाफ से मिली भगत कर गलत जानकारी देकर नगर निगम से जन्म प्रमाण पत्र बनाया गया। मामले में आरोपी दंपति को एवं विधि से संघर्षरत बालक को पूर्व में गिरफ्तार किया गया है। इसी मामले में जुटाए गए साक्ष्य के आधार पर अस्पताल के सलिस स्टाफ जिनके द्वारा जानकारी होते हुए कि वह बच्चा आरोपी दंपति का नहीं है एवं अस्पताल में डिलीवरी नहीं हुई है। इसके बाद भी स्टाफ के द्वारा जन्म प्रमाण पत्र बनवाने हेतु अपराधिक संयंत्र कर गलत जानकारी नगर निगम में अस्पताल के माध्यम से प्रेषित कर सर्टिफिकेट बनवाने में सहयोग किया। इस मामले में डॉ विजय राज नागवंशी जो कृष्ण हॉस्पिटल एवं कुमुद मेमोरियल हॉस्पिटल में RMO के रूप में कार्यरत था। उसके कहने पर दीपिका यादव , सैमुअल धोके एवं गेशु देवांगन ने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में सहयोग किया आरोपियों द्वारा पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया।आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com